दैनिक

बुद्ध का संदेश

हिन्दी समाचार पत्र

एक विश्वास....

अहान पांडे और अनीत पड्डा की सैयारा ...8

सिद्धार्थनगर

गुरुवार, 05 जून 2025

वर्ष: 12 अंक: 173 पृष्ठ: 8

आमंत्रण मूल्य 2/- रुपया

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

सम्पादक : राजेश शर्मा

दैनिक बुद्ध का संदेश 8795951917, 9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

यूट्यूबर जसबीर सिंह को पंजाब में जासूसी के आरोप में गिरफ्तार किया गया, ज्योति मल्होत्रा और पाकिस्तानी गुर्गों से थे संबंध

चंडीगढ़। पंजाब पुलिस ने बुधवार को 1.1 मिलियन से ज्यादा सब्सक्राइबर वाले यूट्यूबर जसबीर सिंह को पाकिस्तान समर्थित जासूसी नेटवर्क का हिस्सा होने के आरोप में गिरफ्तार किया। यह गिरफ्तारी उस व्यापक जांच का हिस्सा है जिसमें पहले हरियाणा की प्रभावशाली महिला ज्योति मल्होत्रा को भी इसी तरह के आरोपों में गिरफ्तार किया गया था। ज्योति मल्होत्रा के साथ निकट संपर्क में था जसबीर सिंह- हरियाणा की यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा के साथ निकट संपर्क में रहे पंजाब के एक यूट्यूबर को गिरफ्तार किया गया है और पुलिस का कहना है कि उससे जुड़े एक जासूसी नेटवर्क का पता चला है। पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने बुधवार को बताया कि जान महल नाम का यूट्यूब चैनल संचालित करने वाले एवं रूपनगर जिले के महलां गांव निवासी जसबीर सिंह का संबंध एक पाकिस्तानी खुफिया एजेंट (पीआईओ) से पाया गया है। उन्होंने बताया कि सिंह मल्होत्रा से भी निकट संपर्क में था, जिसे पहले हरियाणा पुलिस ने जासूसी के आरोप में गिरफ्तार किया था। आतंक-समर्थित जासूसी नेटवर्क का हिस्सा यादव ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, "जान महल" नामक एक यूट्यूब चैनल संचालित करने वाले जसबीर सिंह का संबंध पीआईओ शाकिर उर्फ जट्ट रंधावा के साथ पाया गया है, जो आतंक-समर्थित जासूसी नेटवर्क का हिस्सा है। डीजीपी ने बताया कि उसका दिल्ली में पाकिस्तान उच्चायोग के उस अधिकारी एहसान-उर- रहीम उर्फ दानिश से भी संपर्क था, जिसे भारत ने निष्कासित कर दिया गया था। शीर्ष पुलिस अधिकारी ने कहा, "जांच से पता चला है कि दानिश के निमंत्रण पर जसबीर दिल्ली में पाकिस्तान राष्ट्रीय दिवस कार्यक्रम में शामिल हुआ था, जहां उसकी मुलाकात पाकिस्तानी सेना के अधिकारियों और व्लॉगर्स से हुई थी। पीआईओ के साथ अपने संवाद के सभी निशान मिटाने का प्रयास किया यह तीन बार (2020, 2021, 2024 में) पाकिस्तान गया था और उसके इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में पाकिस्तान के कई नंबर थे, जिनकी अब विस्तृत फोरेंसिक जांच की जा रही है। यादव ने बताया कि मल्होत्रा की गिरफ्तारी के बाद सिंह ने पकड़े जाने से बचने के लिए पीआईओ के साथ अपने संवाद के सभी निशान मिटाने का प्रयास किया।

जासूसी-आतंकवाद के व्यापक नेटवर्क

मोहाली में राज्य विशेष अभियान प्रकोष्ठ में प्राथमिकी दर्ज की गई है। उन्होंने कहा, जासूसी-आतंकवाद के व्यापक नेटवर्क को ध्वस्त करने और इसमें शामिल सभी लोगों की पहचान करने के लिए जांच जारी है। हिसार निवासी 33 वर्षीय मल्होत्रा ट्रैवल विद जेओ नामक यूट्यूब चैनल संचालित करती थी। उसे पिछले महीने गिरफ्तार किया गया था। भारत ने पाकिस्तान उच्चायोग में तैनात एहसान-उर-रहीम उर्फ दानिश को जासूसी में कथित रूप से संलिप्त होने के कारण 13 मई को निष्कासित कर दिया था। उनके वकील एडवोकेट माधव शुक्ला कहते हैं, ज्जसबीर सिंह को कल गिरफ्तार किया गया था, कोर्ट ने उन्हें 3 दिन की पुलिस रिमांड पर भेजा था। 7 जून को उन्हें फिर से कोर्ट में पेश किया जाएगा। पुलिस की एफआईआर के अनुसार, उनके खिलाफ 3 आरोप हैं। पहला यह कि उन्हें विदेशी फंडिंग मिलती है, दूसरा यह कि उनका आईएसआई से संबंध है, तीसरा यह कि उनके पास संवेदनशील डेटा है...जब भी उन्हें बुलाया जाता था, तो वे एक जिम्मेदार नागरिक के तौर पर स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल के सामने पेश होते थे। अगर उनका कोई दुर्भावनापूर्ण इरादा होता, तो वे ऐसा नहीं करते।

आरसीबी के जश्न के दौरान भगदड़, 11 की मौत और 33 घायल

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राहुल गांधी ने जताया दुख

बंगलुरु। आईपीएल 2025 में अपनी पहली जीत का जश्न मना रही रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम को देखने के लिए हजारों प्रशंसक बंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर जमा हो गए। इस दौरान मची भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई और 33 लोग घायल हो गए हैं।

चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर कैसे मची भगदड़?- प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जब स्टेडियम में आरसीबी टीम के सम्मान समारोह की शुरुआत होने वाली थी, तब एक साथ बड़ी संख्या में लोग अंदर जाने की कोशिश करने लगे। इससे भीड़ बेकाबू हो गई और भगदड़ जैसी स्थिति बन गई।

ज्यादा भीड़ पहुंचने से बिगड़ी स्थिति घटनास्थल पर मौजूद पुलिसकर्मियों को भीड़ नियंत्रित करने में खासी मशक्कत करनी पड़ी। हालात काबू में लाने के लिए हल्का बल प्रयोग भी किया गया। कई लोग बेहोश होकर गिर पड़े, जिन्हें एंबुलेंस से पास के अस्पतालों में पहुंचाया गया। कुछ लोगों को मौके पर ही सीपीआर देकर बचाने की कोशिश की गई।

लगातार बढ़ रहे कोरोना वायरस के मामले

दर्ज हुए 4302 एक्टिव केस, 44 की हुई मौत

नई दिल्ली। कोरोना वायरस संक्रमण के मामले देश में फिर से बढ़ने लगे हैं। कोरोना चुपके से अपने पैर पसार रहा है। कोविड 19 के ताजा मामले भारत में 4302 पर पहुंच चुके हैं। अब तक कोरोना वायरस के कारण कुल 44 लोगों की मौत हो चुकी है। दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और पश्चिम बंगाल में कोरोना वायरस संक्रमण के कई मामले सामने आ चुके हैं। कोरोना वायरस के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। देश में अलग अलग राज्य सरकारें ने गाइडलाइन भी जारी की है ताकि कोरोना वायरस के मामलों को फैलने से रोका जाए। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों की मानें तो देश में केरल ऐसा राज्य है जहां अब तक कोरोना वायरस के सबसे अधिक मामले दर्ज हुए हैं। केरल में 1373 मामले कोरोना के सामने आए हैं। केरल में कुल नौ लोग कोरोना के कारण अपनी जान गंवा चुके हैं। वहीं दक्षिण भारत के कर्नाटक में भी कोरोना वायरस के 324 एक्टिव मामले हैं। तमिलनाडु में 216 एक्टिव मामले हैं। दिल्ली में कोरोना वायरस के 457 एक्टिव मामले सामने आए हैं। दिल्ली में पांच लोग कोरोना से जान गंवा चुके हैं। उत्तर प्रदेश में कोविड 19 के 200 से अधिक

अन्य राज्यों में है ये हाल

पश्चिम बंगाल में कोरोना वायरस के 432 एक्टिव मामले हैं। यहां कोरोना से मरने वालों का आंकड़ा 44 हो चुका है। उत्तराखंड और तेलंगाना में भी क्रमशः दो और तीन मामले सामने आए हैं। पंजाब में 12 एक्टिव मामले सामने आए हैं। पंजाब में कोरोना ने एक व्यक्ति की जान ले ली है। मध्यप्रदेश में 22, झारखंड में नौ, जम्मू कश्मीर में छह और हिमाचल प्रदेश में एक मामला दर्ज हो चुका है। राहत है कि अरुणाचल प्रदेश में एक भी मामला दर्ज नहीं हुआ है। वहीं गुजरात में कोरोना वायरस के 108 मामले दर्ज हुए हैं और एक व्यक्ति की जान गई है। स्वास्थ्य विभाग की मानें तो एक्टिव मामले राज्य में अब 461 हो गए हैं। राज्य में अलग अलग अस्पतालों में कोरोना के मरीज भी भर्ती हुए हैं जबकि कुछ मरीजों का इलाज घर पर ही किया जा रहा है।

कौन जात हो ? जनगणना की आ गई तारीख, हर घर पहुंचकर कास्ट भी पूछा जाएगा

गृह मंत्रालय (एमएचए) ने कहा कि राष्ट्रीय जाति जनगणना और जाति गणना की प्रक्रिया 1 अक्टूबर, 2026 से शुरू होने की संभावना है। मोदी सरकार जाति जनगणना को दो चरणों में कराने की योजना बना रही है। लगभग 94 वर्षों के बाद पूरे देश में जाति जनगणना होगी। राष्ट्रीय जनगणना दो चरणों में की जाएगी। उत्तर के पहाड़ी क्षेत्रों में सबसे पहले। सूत्रों ने बताया कि लद्दाख, जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में जनगणना 1 अक्टूबर 2026 से शुरू होगी।

दो चरणों में होगी जाति जनगणना

जाति जनगणना दो चरणों में की जाएगी। जाति जनगणना की शुरुआत चार पहाड़ी राज्यों जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश से 1 अक्टूबर, 2026 से होगी। अन्य राज्यों में यह प्रक्रिया 1 मार्च, 2027 से शुरू होगी। गृह मंत्रालय ने कहा कि जातियों की गणना के साथ-साथ जनसंख्या जनगणना-2027 को दो चरणों में आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। जनसंख्या जनगणना-2027 के लिए संदर्भ तिथि मार्च, 2027 के पहले दिन 00:00 बजे होगी। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख और केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड राज्यों के गैर-समकालिक बर्फीले क्षेत्रों के लिए संदर्भ तिथि अक्टूबर, 2026 के पहले दिन 00.00 बजे होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 30 अप्रैल, 2025 को राजनीतिक मामलों की कैबिनेट समिति ने इस फैसले को मंजूरी दी थी। सूचना मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा था कि जनगणना का काम पारदर्शी तरीके से किया जाएगा।

कुलपति नहीं कुलगुरु कहिए...

जेएनयू वर्किंग काउंसिल की बैठक में लिया गया फैसला

वाराणसी। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) ने कुलपति के लिए कुलपति शब्द को सभी डिग्री प्रमाणपत्रों और शैक्षणिक अभिलेखों में कुलगुरु से बदलने का निर्णय लिया है। यह निर्णय अप्रैल में आयोजित विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद की बैठक के दौरान लिया गया। बैठक के विवरण में एजेंडा के रूप में कहा गया है कि डिग्री प्रमाणपत्रों और अन्य शैक्षणिक दस्तावेजों पर हस्ताक्षर के लिए कुलपति से कुलगुरु पदनाम को बदलकर बदलना। परीक्षा नियंत्रक द्वारा निर्देश पर कार्रवाई की जाएगी। इस बदलाव का उद्देश्य कुलपति के पद को अधिक लिंग-तटस्थ बनाना है। यह जानकारी कार्य परिषद की बैठक के दौरान साझा की गई विश्वविद्यालय का यह कदम राजस्थान और मध्य प्रदेश सरकारों द्वारा पहले से लागू किए गए समान परिवर्तनों के अनुरूप है। राजस्थान ने कुलपति और उपकुलपति के स्थान पर कुलगुरु और प्रतिकुलगुरु को अपनाने के लिए फरवरी 2025 में एक संशोधन पारित किया, जिसे मार्च में मंजूरी दी गई। मध्य प्रदेश ने जुलाई 2024 में इसका अनुसरण किया। जेएनयूएसयू के अध्यक्ष नीतीश कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय को शौचालय और छात्रावासों को भी लिंग-तटस्थ बनाने पर विचार करना चाहिए। कुलपति को कुलगुरु में बदलने के साथ-साथ कुलपति को लिंग-तटस्थ शौचालय और लिंग-तटस्थ छात्रावासों की मांग भी पूरी करनी चाहिए। इसके अलावा, पीएचडी प्रवेश के लिए जेएनयूईई को बहाल किया जाना चाहिए और वंचितता अंक वापस लाए जाने चाहिए। वामपंथी नेता ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, प्रतीकात्मक इशारों से आगे बढ़ें और ठोस लिंग न्याय की दिशा में काम करें।

जस्टिस वर्मा के खिलाफ आएगा महाभियोग प्रस्ताव?

जानें क्या बोले संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव न्यायपालिका में भ्रष्टाचार से जुड़ा मामला है और इसलिए इस मुद्दे पर अलग राजनीतिक रुख अपनाने की कोई गुंजाइश नहीं है। न्यायमूर्ति वर्मा को उस समय आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है जब उनके आवास पर आग लगने के बाद कथित तौर पर जली हुई नकदी का ढेर पाया गया था। समाचार एजेंसी एएनआई से बात करते हुए केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री ने यह भी कहा कि महाभियोग मामले पर राजनीति की कोई गुंजाइश नहीं है। रिजिजू ने कहा कि न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव न्यायपालिका में भ्रष्टाचार से जुड़ा मामला है। इसलिए, इसमें किसी भी तरह की राजनीति की गुंजाइश नहीं है। हर पार्टी के लिए अलग-अलग राजनीतिक रुख अपनाने की कोई गुंजाइश नहीं है। इसलिए, हम एकजुट रुख अपनाना चाहेंगे। मंत्री ने कहा कि संसद को इस मामले पर चर्चा करने और आगे बढ़ने के लिए एक साथ आना होगा।

फिर विवादों में फंसे एमपी के मंत्री विजय शाह

रेप विक्टिम के परिवार की पहचान की उजागर

भोपाल। कर्नल सोफिया कुरैशी को निशाना बनाकर सांप्रदायिक टिप्पणी करने के कारण विवादों में घिरे मध्य प्रदेश के आदिवासी कल्याण मंत्री विजय शाह एक बार फिर चर्चा में हैं। इस बार बलात्कार पीड़िता के परिवार की निजता से समझौता करने को लेकर वो विवादों में आ गए हैं। शाह ने खंडवा में बलात्कार-हत्या पीड़िता के परिवार से मुलाकात की और मुआवजे के तौर पर चेक सौंपा। हालांकि, इस दौरान स्थानीय पार्टी कार्यकर्ताओं और उपस्थित लोगों ने पीड़िता के परिवार की तस्वीरें खींचीं, जिन्हें बाद में सोशल मीडिया पर खूब शेयर किया गया। वायरल तस्वीरों में पीड़िता के रिश्तेदारों की पहचान उजागर हो गई जिससे उनकी निजता के अधिकार का उल्लंघन होने तथा यौन उत्पीड़न के मामलों में पीड़ितों की पहचान की सुरक्षा से संबंधित कानूनों का उल्लंघन होने का आरोप लगाते हुए विभिन्न वर्गों से इसकी आलोचना की गई। इस ताजा विवाद ने भाजपा नेता के लिए मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। शाह पिछले महीने कर्नल सोफिया कुरैशी के बारे में दिए गए सांप्रदायिक और अपमानजनक बयान के लिए आलोचनाओं का सामना कर रहे हैं। कर्नल सोफिया कुरैशी भारतीय सेना की अधिकारी थीं, जिन्होंने ऑपरेशन सिंदूर पर मीडिया ब्रीफिंग का नेतृत्व किया था। एक सार्वजनिक कार्यक्रम में बोलते हुए शाह ने सोफिया कुरैशी पर एक बेहद सांप्रदायिक टिप्पणी की, जिसमें उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले का बदला लेने के लिए पाकिस्तान में मौजूद लोगों की तरह उसी समुदाय की एक बहन को भेजा था। शाह ने दर्शकों की तालियों के बीच कहा कि मोदी जी समाज के लिए प्रयास कर रहे हैं। जिन्होंने हमारी बेटियों को विधवा किया, हमने उन्हें सबक सिखाने के लिए उनकी अपनी एक बहन को भेजा।

भारत के साथ भूमि सीमा साझा करने वाले देशों के लिए एफडीआई नीति में कोई बदलाव नहीं: सूत्र

नई दिल्ली। सरकार ने भारत के साथ भूमि सीमा साझा करने वाले देशों के लिए प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) नीति में कोई बदलाव नहीं किया है। सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। सरकार ने 2020 में प्रेस नोट 3' जारी किया था जिसके तहत इन सीमावर्ती देशों के निवेशकों को किसी भी क्षेत्र में निवेश करने के लिए सरकार की पूर्व स्वीकृति लेना अनिवार्य हो गया था। एफडीआई नीति में कोई बदलाव नहीं' सूत्रों ने बताया कि प्रेस नोट 3' भारत के सभी सीमावर्ती देशों पर समान रूप से लागू है। इन देशों में चीन, बांग्लादेश, पाकिस्तान, भूटान, नेपाल, म्यांमा तथा अफगानिस्तान शामिल हैं। एक सूत्र ने कहा, "इस प्रेस नोट के जारी होने के बाद भारत के साथ भूमि सीमा साझा करने वाले देशों से निवेश से संबंधित एफडीआई नीति में कोई बदलाव नहीं किया गया है।"

चीन से एफडीआई आवेदनों के लिए अनुमोदन प्रक्रिया को सुव्यवस्थित किया गया

ये टिप्पणियां महत्वपूर्ण हैं क्योंकि कुछ खबरों में दावा किया गया था कि चीन से एफडीआई आवेदनों के लिए अनुमोदन प्रक्रिया को सुव्यवस्थित किया गया है। वर्तमान में, गृह सचिव की अध्यक्षता में एक अंतर-मंत्रालयी समिति 'प्रेस नोट 3' के तहत आए आवेदनों पर विचार करती है। भारत में आने वाले अधिकतर एफडीआई स्वचालित अनुमोदन मार्ग के अंतर्गत आते हैं।

भारत आएंगे 5 देशों के विदेश मंत्री, पीएम मोदी से भी करेंगे मुलाकात, इन मुद्दों पर होगी चर्चा

नई दिल्ली। मध्य एशिया के पांच प्रमुख देशों किर्गिजस्तान, तुर्कमेनिस्तान, उज्बेकिस्तान, ताजिकिस्तान और कजाखस्तान के विदेश मंत्री भारत पहुंच रहे हैं। भारत और मध्य एशियाई देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक छह जून को नई दिल्ली में होने वाली है। रूस और यूक्रेन के बीच जारी तनाव और इसका असर मध्य एशियाई क्षेत्र में भी होने की आशंका के बीच भारत की इस क्षेत्र के साथ संबंधों को मजबूत बनाने की कोशिशों पर दुनिया के अन्य देशों की भी नजर है। इस बैठक में आर्थिक सहयोग के साथ ही ऊर्जा, कनेक्टिविटी और सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर अहम बातचीत होगी।

बांसी पुलिस ने आत्महत्या के लिये उकसाने के आरोप मे वांछित अभियुक्त को किया गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का संदेश

बांसी/सिद्धार्थनगर। पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर डॉ0 अभिषेक महाजन के आदेश के क्रम में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत एवं अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर प्रशान्त कुमार प्रसाद के कुशल निर्देशन में

व क्षेत्राधिकारी बांसी मयंक प्रकाश के कुशल पर्यवेक्षण मे एवं प्रभारी निरीक्षक सन्तोष कुमार तिवारी थाना बांसी मय टीम द्वारा बुधवार को मु0अ0सं0 117/2025 धारा 108 भा0द0वि0 से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त को राप्ती पुल के पास से गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्यवाही पूर्ण करते हुये मा0 न्यायालय भेजा गया। वहीं गिरफ्तार अभियुक्त सुशील कुमार उपाध्याय पुत्र दुर्गा प्रसाद उपाध्याय निवासी सिसहनिया थाना बांसी जनपद सिद्धार्थनगर है। इस दौरान गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक सन्तोष कुमार तिवारी, हेड कांस्टेबल योगेन्द्र यादव व कांस्टेबल आशुतोष यादव मौजूद रहें।

सहायक आयुक्त खाद्य सुरक्षा ने मारा छापा कई दुकानों से लिया सैंपल

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। ईद उल जुहा पर्व के दृष्टिगत आम जनमानस

को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य एवं पेय पदार्थ उपलब्ध कराए जाने हेतु आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन लखनऊ एवं जिलाधिकारी, सिद्धार्थनगर के आदेश के क्रम में दिनांक 04.06.2025 को तहसील डुमरियागंज के अंतर्गत हल्लौर बाजार में सहायक आयुक्त खाद्य।।, सिद्धार्थनगर आर.एल. यादव तहसीलदार डुमरियागंज एवं पुलिस बल की उपस्थिति में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की टीम द्वारा छापा मारकर मानक के अनुरूप न होने के संदेह पर कुल 05 नमूना क्रमशः काजू, किशमिश, मिश्री, पोस्ता दाना तथा मसूर दाल संग्रहित किया गया। नमूनों को जांच हेतु खाद्य प्रयोगशाला प्रेषित किया जा रहा है। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अंतर्गत अग्रिम विधिक कार्यवाही की जाएगी। कारोबार कर्ताओं को खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन करने एवम प्रतिष्ठान की साफ सफाई के लिये निर्देश दिया गया। टीम में मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी नरेंद्र प्रताप सिंह, खाद्य सुरक्षा अधिकारी चंद्र भानु पी. के. वर्मा, जय प्रकाश, आर एन. वर्मा तथा नीरज कुमार चौधरी सम्मिलित रहे।

कुंआनों तट पर भव्य आरती, पूजन का आयोजन 5 को

नगर पालिका अध्यक्ष ने गंगा दशहरा के लिये चलाया स्वच्छता अभियान

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। गुरुवार 5 जून को अमहट घाट पर गंगा दशहरा पूरी भव्यता से मनाया जायेगा और कुंआनो आरती, पूजन होगा। नगर पालिका अध्यक्ष नेहा वर्मा, भाजपा के वरिष्ठ नेता अंकुर वर्मा और नगर पालिका के अधिकारियों,

कर्मचारियों के साथ स्वच्छता अभियान चलाया गया। नेहा वर्मा ने कहा कि यह संयोग है कि 5 जून को ही विश्व पर्यावरण दिवस और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का जन्म दिन भी है। गंगा दशहरा पर भव्य कुंआनो आरती, पूजन होगा। भाजपा के वरिष्ठ नेता अंकुर वर्मा ने कहा कि कुंआनो केवल नदी नहीं आस्था की प्रतीक है। गंगा दशहरा पर कुंआनों तट पर आरती, पूजन एक बड़ा अवसर है। कार्यक्रम में नागरिकों, जन प्रतिनिधियों, सामाजिक संस्थाओं के साथ ही बड़ी संख्या में आस्थावान हिस्सा लेंगे। अधिशासी अधिकारी अंगद गुप्ता ने बताया कि गंगा दशहरा के मौके पर कुंआनो तट पर आरती, पूजन की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं और विभागीय कर्मचारियों में दायित्वों का वितरण कर दिया गया है। स्वच्छता अभियान में सभासदों ने अपना योगदान दिया।

लोटन में खंड शिक्षा अधिकारी संतोष कुमार शुक्ला ने किया पदभार ग्रहण

दैनिक बुद्ध का संदेश

लोटन/सिद्धार्थनगर। विकास खण्ड लोटन क्षेत्र के बनियाडीह बी.आर.सी. पर नवागत खण्ड शिक्षा अधिकारी संतोष कुमार शुक्ल का बुधवार को ब्लॉक संसाधन केंद्र लोटन पर राष्ट्रीय शिक्षक महासंघ के ब्लाक लोटन के अध्यक्ष संतोष कुमार पाण्डेय द्वारा अपने शिक्षक साथियों के साथ खण्ड शिक्षा

अधिकारी का स्वागत किया गया। इस अवसर पर खण्ड शिक्षा अधिकारी ने आये हुए शिक्षकों से कहा की शिक्षक माता–पिता की तरह होते हैं। जैसा आप लोग शिक्षा देंगे, वही छात्र हासिल करेंगे इस लिए आप लोग विद्यालय समय से पहुंच कर छात्र एवं छात्राओं को सही शिक्षा दें ताकि छात्र आगे निकल कर माता पिता व अपने शिक्षक और लोटन क्षेत्र का नाम रोशन करें। हमारे तरफ से जो भी सहयोग की अवश्यकता पड़ेगी, इसमें अवगत कराये इस दौरान संगठन मंत्री रामराज पाण्डेय, अनिल प्रजापति, विनोद पाण्डेय, मोहन एवं बहुत सारे शिक्षक के साथी मौजूद रहे बी.आर.सी. के स्टाफ अहमद हुसैन, आलोक कुमार गुप्ता, मुजीबुर्रहमान, कमलेश आदि मौजूद रहे।

नि:शुल्क कंप्यूटर प्रशिक्षण केंद्र आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों के लिए वरदान साबित होगा : नितेश शर्मा

दैनिक बुद्ध का संदेश

भानपुर/बस्ती। कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय, भारत सरकार एवं जन शिक्षण संस्थान बस्ती के संयुक्त प्रयास से भानपुर कस्बे में संचालित होने वाले निश्शुल्क कंप्यूटर प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन मुख्य अतिथि भाजपा जिला कार्य समिति सदस्य नितेश शर्मा ने फीता काटकर किया। उद्घाटन

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा नेता नितेश शर्मा ने कहा कि जन शिक्षण संस्थान के द्वारा संचालित यह निश्शुल्क कंप्यूटर प्रशिक्षण केंद्र आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों के लिए वरदान साबित होगा। कहा कि कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय द्वारा आयोजित इस अभियान के तहत क्षेत्र के अनेक युवाओं को प्रशिक्षित करने का प्रयास सराहनीय है। भाजपा किसान मोर्चा के क्षेत्रीय महामंत्री रामानंद नन्हे ने अपने संबोधन में कहा कि जन शिक्षण संस्थान एक ऐसी योजना है जो भारत सरकार द्वारा कार्यान्वित की जाती है और इसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में गैर–साक्षर, नव–साक्षर और स्कूल छोड़ने वाले छात्रों को व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान करना है। बस्ती में जन शिक्षण संस्थान, इस योजना का एक हिस्सा है और यह ग्रामीण क्षेत्रों में कौशल विकास और शिक्षा को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। जन शिक्षण संस्थान के निदेशक अजय उपाध्याय ने उपस्थित छात्र छात्राओं को नामांकन सहित अन्य जरूरी बिंदुओं की जानकारी प्रदान किया। इस दौरान जन शिक्षण संस्थान के द्वारा संचालित अन्य ट्रेड के प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण प्रमाण पत्र वितरित किया गया। इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष रामनेवास गिरी, अर्चना शुक्ला, नैसी गुप्ता, रितु चौधरी, शिखा वर्मा, निर्जला पांडेय, सारिका चौधरी, अमन शर्मा, आयुष, खुशी गौड़, अमित शर्मा, सूरज जायसवाल, शिवानी, अरुण, पिंटू, भोलू, राहुल, विपिन कुमार, अमित कसौधन सहित अनेक छात्र छात्राओं एवं गणमान्य जनों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

स्टेशन रोड पर पटरी से हटा लें दुकान नहीं तो लगेगा प्रतिदिन ₹2500 जुर्माना

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जनपद सिद्धार्थनगर रेलवे स्टेशन रोड के समस्त मकान मालिक/दुकानदार को सूचित किया जाता है कि कोई भी मकान मालिक/दुकानदार अपने मकान/दुकान के सामने सब्जी/फल का ठेला स्थायी/अस्थायी रूप से लगवाता है तो उससे प्रतिदिन 1000 रू0 जुर्माना शुल्क वसूली करते हुए विधिक कार्यवाही की जायेगी। इस आशय की जानकारी अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद सिद्धार्थनगर ने दी है।

कांग्रेस ने शुरू किया कार्यकर्ताओं के घरों पर पार्टी का झण्डा लगाने का अभियान

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। कांग्रेस ने प्रदेश नेतृत्व के आवाहन पर पार्टी कार्यकर्ताओं के घरों पर कांग्रेस पार्टी का झण्डा लगाने का अभियान शुरू किया। रुधौली विधानसभा क्षेत्र के मुड़ाडीहा भोपालपुर में कांग्रेस कार्यकर्ता नवीन कन्नौजिया एव रतन पुरा चौराहे पर कार्यकर्ता उमेश

उपाध्याय के घर पर कांग्रेस के मंडल विभाग के कोआर्डिनेटर निर्मला पासवान के साथ अनेक कार्यकर्ताओं ने झंडा लगाया। कोआर्डिनेटर निर्मला पासवान ने कहा कि पार्टी से जुड़े लोग अपने–अपने घरों पर पार्टी का झण्डा अवश्य लगाये। इस झण्डे का ऐतिहासिक महत्व है। कांग्रेस अध्यक्ष विश्वनाथ चौधरी ने कहा कि कांग्रेस के प्रत्येक पदाधिकारी स्वयं अपने घरों पर पार्टी का झण्डा अवश्य लगाये। यह कार्यक्रम इसी उद्देश्य से शुरू किया गया है जिससे लोग कांग्रेस परिवार और समर्थकों को जान सके। कांग्रेस कार्यकर्ताओं के घरों पर पार्टी का झण्डा लगाये जाने के दौरान मुख्य रूप से कांग्रेस के संदीप श्रीवास्तव साहिद सिद्दीकी, नवीन कन्नौजिया, उमेश उपाध्याय, शकुन्तला देवी, विपिन, आलोक कुमार, राहुल चौधरी बब्बन, मसीउल्लाह खान, सद्दाम अहमद, फरहान खान, दीपक कुमार, सुनील कुमार, प्रदीप कुमार के साथ अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मोहाना पुलिस ने एक नफर वारण्टी को किया गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का संदेश

मोहाना/सिद्धार्थनगर। पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर डॉ0 अभिषेक महाजन के आदेश पर एवं अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर प्रशान्त कुमार प्रसाद के निर्देशन में व क्षेत्राधिकारी सदर मयंक द्विवेदी के पर्यवेक्षण में एवं प्रभारी निरीक्षक मोहाना रोहित कुमार उपाध्याय के कुशल नेतृत्व में बुधवार को अपराध एवं अपराधियो के विरुद्ध

चलाये जा रहे अभियान के तहत वाद संख्या 363/2022 धारा 323/504/506 भा0द0वि0 व 3(1)ध एससी/एसटी एक्ट से सम्बन्धित 01 नफर वारण्टी को गिरफ्तार कर मा0 न्यायालय भेजा गया। वहीं गिरफ्तार सहाबुद्दीन पुत्र मो0 हई निवासी मनेरी थाना मोहाना जनपद सिद्धार्थनगर है। इस दौरान गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में उप निरीक्षक सर्वेश यादव, हेड कांस्टेबल योगेश कुमार व कांस्टेबल प्रशान्त सिंह मौजूद रहे।

लोकायुक्त की जांच टीम पहुंची कुड़वा शिकायतकर्ता के 22 बिंदुओं पर की गहनता से जांच

दैनिक बुद्ध का संदेश

संतकबीरनगर। मेंहदावल विकास खण्ड के ग्राम पंचायत कुड़वा में गांव के विकास कार्यों में हुए भ्रष्टाचार को लेकर विगत दिनों लोकायुक्त से रामकुमार प्रजापति ने शिकायत की गई थी। जिसके सम्बन्ध में डीएम द्वारा नामित जांच टीम गांव में पंहुचकर विकास कार्यों को लेकर बिंदुवार जांच किया गया। बताते चले कि मेंहदावल ब्लॉक के ग्राम पंचायत कुड़वा में विकास कार्यों में हुए भ्रष्टाचार की शिकायत को लेकर जांच टीम गांव में पंहुची। लेकिन उस दौरान शिकायतकर्ता अनुपस्थित था पंकज कुमार चौधरी के अगुवाई में गांव में पंहुचकर जांच टीम साथ ही गांव में बिंदुवार शिकायत

से नलकूप खंड के अभियंता पंकज कुमार चौधरी द्वारा विकास कार्यों की बिंदुवार जांच किया गया। इस दौरान जांच टीम ने अभिलेखों का निरीक्षण करने के के मद्देनजर जन सूचना केंद्र, प्राथमिक विद्यालय, नाली आदि निर्माण कार्य के हकीकत को परखा गया। इस दौरान गांव के ग्रामीणों से संवाद कर विकास कार्य सम्बंधित कार्य को परखा गया। साथी साथ शिकायतकर्ता के सारे सवालों का साक्ष्य सहित जवाब देकर जिम्मेदार अधिकारी द्वारा सारी जांच करने के बाद रिपोर्ट शासन को भेजने की बात कही गई। उन्होंने बताया कि शिकायतकर्ता के सारे बिंदुओं की जांच की गई जो निराधार और बे बुनियाद निकाला इस दौरान, नलकूप अभियंता पंकज कुमार चौधरी, ग्राम सचिव शरमद खान, अलाउद्दीन, गिरजेश यादव, शैलेंद्र यादव,संजय कुमार, ग्राम प्रधान रामराज मौर्य, सुरेश अलिहुसेन, पंचायत सहायक मनीष कुमार मौर्य, अंकित मौर्य सुरेन्द्र आदि लोग उपस्थित रहे।

जिला कृषि अधिकारी ने मारा छापा 21 दुकानों से लिया सैंपल

दैनिक बुद्ध का संदेश

संत कबीर नगर। जिलाधिकारी आलोक कुमार के निर्देश के क्रम में जिला कृषि अधिकारी डॉक्टर सर्वेश कुमार यादव द्वारा

जनपद के तहसील मेंहदावल क्षेत्र स्थित बीज की दुकानों पर औचक निरीक्षण/ छापामार कार्यवाही बीज की गुणवत्ता नियंत्रण एवं कालाबाजारी रोकने, नकली बीजों के व्यापार की रोकथाम हेतु की गई। कार्यवाही के दौरान लगभग 14 दुकानों से संदिग्धता की स्थिति में 21 नमुने गृहीत कर जाँच हेतु प्रयोग शाला भेजा जायेगा। जिसमें 17 धान के, 01 मक्का और 03 चरी के बीज के नमुने लिए गए, एवं दो दुकानदारों को नोटिस जारी किया गया। परीक्षण रिपोर्ट में अमानक नमूना पाए जाने पर संबंधित प्रतिष्ठान के खिलाफ बीज नियंत्रण आदेश के तहत कार्रवाई की जाएगी। प्रमुख दुकान जिनका निरीक्षण किया गया है। उन्होंने बताया कि लालचंद एंड संस, मेंहदावल, जनता बीज भंडार–१ मेंहदावल, नेशनल सीड कंपनी मेंहदावल जनता बीज भंडार–५ न्यू किसान बीज भंडार, किसान बीज भंडार, न्यू भारत बीज भंडार, मौर्य ट्रेडर्स डढ़िया, शक्ति खाद बीज भंडार डढ़िया, एग्री जंक्शन कृषि केंद्र टोटहा एवं किसान एग्री जंक्शन टोटहा –बंद पाये जाने पर, पांडेय बीज भंडार को अभिलेख नहीं दिखाने इसको नोटिस जारी किया गया।

विवेचना में सुधार हेतु एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का किया आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर डॉ0 अभिषेक महाजन के निर्देशन मे बुधवार को पुलिस लाइन सभागार कक्ष में यौन

अपराधों एवं पॉक्सो एक्ट से सम्बन्धित अभियोगों की विवेचना की गुणवत्ता में सुधार हेतु एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम में संयुक्त निदेशक अभियोजन जनपद सिद्धार्थनगर जयहिंद त्रिपाठी के द्वारा अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर प्रशान्त कुमार प्रसाद के साथ यौन अपराधों और पॉक्सो एक्ट के मामलों में जांच की गुणवत्ता को बढ़ाने तथा न्याय सुनिश्चित करने हेतु महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। प्रशिक्षण के दौरान जांच प्रक्रिया में सुधार, साक्ष्यों के संग्रहण, कानूनी प्रावधानों का पालन और पीड़ितों के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण जैसे विषयों पर विशेष जोर दिया गया। इस दौरान क्षेत्राधिकारी सदर मयंक द्विवेदी तथा जनपद के प्रत्येक थानों से आये विवेचकगण व पुलिस के अन्य अधिकारी/कर्मचारीगणों ने प्रतिभाग किया।

खरैया पोखरा जनकल्याण समिति ने बड़े मंगल पर किया सुन्दरकाण्ड एवं महाभंडारे का आयोजन

गोरखपुर। खरैया पोखरा जनकल्याण समिति द्वारा 3 जून 2025 को मेडिकल कॉलेज रोड स्थित बशारतपुर में ज्येष्ठ माह के चौथे बड़े मंगल के पावन अवसर पर महाभंडारा आयोजित कर प्रसाद वितरण किया गया। इसके पूर्व में महिलाओं द्वारा सुंदर कांड,हनुमान चालीसा पाठ व हनुमान जी की आरती के साथ हनुमान जी की पूजा अर्चना की गई। इस अवसर पर उपरोक्त समिति ने नगरवासियों,प्रदेशवासियों व देशवासियों के सुख, समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य की मंगलकामना की। समिति के अध्यक्ष डॉ डीएन त्रिपाठी व सहायक सूचना निदेशक प्रशांत श्रीवास्तव ने कहा कि हनुमान जी की पूजा के लिए समर्पित बड़े मंगल का दिन प्रत्येक वर्ष के भांति इस वर्ष भी विशेष रूप से खरैया पोखरा वासियों के द्वारा विशिष्ट धार्मिक और सांस्कृतिक उत्सव के रूप में मनाया जाता है। सचिव प्रदीप कुमार श्रीवास्तव एवं कोषाध्यक्ष सूर्य प्रकाश गुप्ता ने कहा कि बड़ा मंगल भारतीय लोक आस्था का एक महत्वपूर्ण पर्व है। गोरखपुर की धरती पर यह पर्व सामाजिक समरसता, सहयोग और श्रद्धा का प्रतीक बन चुका है। यहीं कार्यक्रम में आमंत्रित अतिथि प्रेस क्लब अध्यक्ष रितेश मिश्र, टीएसआई रामवृक्ष यादव एवं डॉक्टर प्रमोद कुमार महेश्वरिया ने एक स्वर में कहा कि हनुमान जी समाज को शक्ति, भक्ति और सेवा का संदेश देते हैं। हम सब एक–दूसरे की मदद करेंगे, तभी सच्चे अर्थों में धर्म की विजय होगी और मानवता का कल्याण होगा। भंडारे के आयोजन में लगभग हजारों की संख्या में भक्तों ने जयकारे के साथ प्रसाद चखे। इस अवसर पर मुख्य रूप से शाहपुर के पार्षद प्रतिनिधि चन्द्रशेखर सिंह, वरिष्ठ समाजसेवी सजीत श्रीवास्तव, डॉ. आर के श्रीवास्तव, वरिष्ठ पत्रकार रामगोपाल द्विवेदी, पत्रकार पवन गुप्ता,सपा नेता राहुल गुप्ता,पत्रकार रवि प्रकाश गुप्ता,विकास गुप्ता, विकास शर्मा, शशिभूषण दूबे उपरोक्त समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष संजय चौरसिया, उपाध्यक्ष राजेश श्रीवास्तव, संयुक्त सचिव हर्ष गुप्ता,संरक्षक रामानंद विश्वकर्मा, सदस्यगण कृष्ण मोहन सिंह,राजीव चौरसिया, संजय सिंह,सुमित विश्वकर्मा, निखिल यादव,अविनाश सिंह,भोलू वर्मा, संतोष कुमार सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

आवश्यकता है

1. पद– असिस्टेंट प्रोफेसर विषय– भूगोल की योग्यता UGC नियम एवं सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु सिद्धार्थनगर की परिनियमावली के अनुसार इच्छुक एवं योग्य अभ्यर्थी विज्ञापन प्रकाशन के 21 दिनों के अन्दर निम्न पते पर आवेदन प्रेषित करें। कार्यालय– स्व. गौकरन सिंह दिनेश महाविद्यालय चिल्हिया, शोहरतगढ़, सिद्धार्थनगर (उ0प्र0)।

प्रबन्धक
स्व. गौकरन सिंह दिनेश महाविद्यालय
चिल्हिया, शोहरतगढ़, सिद्धार्थनगर (उ0प्र0)
मो0:– 9792980942

डेबरूआ पुलिस ने बार्डर पर रोकथाम तस्करी के अन्तर्गत 06 बोरी पशुपति जिंक उर्वरक किया बरामद

दैनिक बुद्ध का संदेश

बढ़नी/सिद्धार्थनगर। पुलिस

अधीक्षक सिद्धार्थनगर डॉ0 अभिषेक महाजन के आदेश के क्रम में एवं अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर प्रशान्त कुमार प्रसाद के निर्देशन में व क्षेत्राधिकारी शोहरतगढ़ सुजीत राय के कुशल पर्यवेक्षण में एवं प्रभारी निरीक्षक डेबरूआ गौरव सिंह के कुशल नेतृत्व में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध व नेपाल बार्डर से हो रही तस्करी की रोकथाम के दृष्टिगत चलाये जा रहे अभियान के तहत बुधवार को थाना डेबरूआ पुलिस द्वारा 06 बोरी पशुपति जिंक उर्वरक ग्राम मड़नी रोड इण्डो नेपाल बार्डर से बरामद किया गया। इस दौरान धारा 11 कस्टम एक्ट के तहत अग्रिम विधिक कार्यवाही हेतु कस्टम कार्यालय बढ़नी भेजा गया। वहीं बरामद करने वाली पुलिस टीम में उप निरीक्षक अनिरुद्ध सिंह, मुख्य आरक्षी अदनान शेख व मुख्य आरक्षी धीरेन्द्र प्रताप सिंह मौजूद रहे।

नेपाल जा रहे दो बाइक सहित 33 बोरी यूरिया को दबोचा

दैनिक बुद्ध का संदेश

कोटिया/सिद्धार्थनगर। इण्डो नेपाल बार्डर कोटिया पर 43वीं वाहिनी एसएसबी व पुलिस की संयुक्त टीम ने मंगलवार को दो बाइक सवार को 6 बोरी यूरिया नेपाल ले जाते समय पकड़ा। एसएसबी व पुलिस की संयुक्त टीम ने इण्डो नेपाल कोटिया बार्डर के पास पिलर संख्या 562 के पास गस्त कर रही थी कि दो बाइक सवार 6 बोरी यूरिया लादकर नेपाल ले जा रहे थे। पकड़ लिया गया और पूछताछ में तस्करों ने बताया कि चनई गांव के एक मकान में 27 बोरी यूरिया छिपाकर रखा है। यहीं से हम लोग नेपाल ले जा रहे थे। युवक की निशानदेही पर एसएसबी जवानों ने घर में

छिपाकर रखा 27 बोरी यूरिया बरामद कर ली। बाइक सवार व खाद को कस्टम कार्यालय बढ़नी को सुपुर्द कर दिया गया। इस समय सीमावर्ती क्षेत्रों से नेपाल को भारी मात्रा में यूरिया की तस्करी की जा रही है। भारत की यूरिया नेपाल में पहुंचते ही तीन गुना अधिक दामों पर बिकता है। नेपाल के किसान खाद को खरीदने के लिए रास्ते में तस्करों के आने का इंतजार करते हैं। तस्कर नेपाल के किसानों के हाथों तीन गुना अधिक दामों पर खाद बेच देते हैं। तस्कर दिनभर में लगभग आठ दस चक्कर लगा लेते है पकड़े गये तस्कर ने अपना नाम 21 वर्षीय दीपक पुत्र कृष्ण कुमार गांव बसन्तपुर थाना शोहरतगढ़ व दीपक पुत्र रामचन्द्र गांव चनई थाना शोहरतगढ़ के निवासी हैं। खाद बरामदगी के दौरान एसएसबी निरीक्षक [illegible] दीपक त्रिपाठी, उप निरीक्षक कृष्ण शर्मा, राजेश चौधरी, पंकज प्रधान, विक्रम, अनिल तथा कांस्टेबल विनय यादव, रामसेवक यादव रितेश चौधरी आदि लोग मौजूद रहे।

नाबालिग छात्रा के साथ युवक ने किया दुष्कर्म, मुकदमा दर्ज

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। आदर्श नगर पंचायत शोहरतगढ़ के नीबी दोहनी में दो दिन पूर्व एक छात्रा को दूसरे समुदाय के एक युवक ने जबरिया घर में ले जाकर दुष्कर्म किया। मां की तहरीर पर पुलिस ने मंगलवार को विशाल रावत पुत्र राकेश रावत के खिलाफ मुकदमा दर्जकर कार्रवाई में जुट गई है। आदर्श नगर पंचायत शोहरतगढ़ के नीबी दोहनी में रविवार को दोपहर मकतब से पढ़कर अपने घर जा रही एक नाबालिग छात्रा को उसी वार्ड व गांव के एक युवक ने उसका हाथ पकड़कर पास में बने अपने मकान में ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया। छात्रा के साथ उसकी एक छोटी बहन भी पढ़ने जाती है उसने बहन का हाथ पकड़कर मकान में ले जाते देख लिया था और घर जाकर मां जरीना को पूरी बात बताई। रोते-रोते मां उक्त मकान में पहुंची तो देखा उसकी नाबालिग पुत्री सिसककर रो रही थी। उसने घटना की जानकारी अपने पति जो बारात में बैंड बाजा बजाने बाहर गये हुए थे को दी। छात्रा की मां ने विशाल रावत के खिलाफ दुष्कर्म करने की लिखित तहरीर शोहरतगढ़ पुलिस को दी। और कहा कि उक्त युवक मस्जिद के पास घात लगाकर बैठा हुआ था मकतब में छुट्टी होने के बाद छात्रा अपने छोटी बहन के साथ स्कूल से निकलकर घर जा रही थी कि रास्ते में उक्त युवक ने मेरी बेटी का हाथ पकड़कर एक मकान में ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया। इस सम्बन्ध में शोहरतगढ़ थाना प्रभारी निरीक्षक विन्ध्येश्वरी मणि त्रिपाठी ने कहा कि मां की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया है। युवक को बरामद करने के लिए पुलिस की टीम को लगाया गया है।

नाबालिग से दुष्कर्म का वांछित आरोपी हुआ गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का संदेश

बांसी/सिद्धार्थनगर। थाना शिवनगर डिड़ई पुलिस ने नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में फरार चल रहे वांछित आरोपी को थाना क्षेत्र के लोहरौली तिराहे से बुधवार को गिरफ्तार कर लिया। क्षेत्राधिकारी बांसी प्रवीन प्रकाश के पर्यवेक्षण तथा थानाध्यक्ष शशांक सिंह के नेतृत्व में सटीक सूचना के आधार पर लोहरौली तिराहे से शिवनगर डिड़ई पुलिस टीम ने वांछित आरोपी कौशल कुमार पुत्र राजाराम को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी थाना क्षेत्र के असनार गांव का निवासी है। लड़की की मां की तहरीर पर थाने पर मु0अ0सं0 52/2025 अन्तर्गत धारा 137(2), 352, 87, 64 बीएनएस और 5/6 पास्को एक्ट दर्ज कर पुलिस आरोपी की तलाश कर रही थी। पुलिस टीम में उप निरीक्षक चन्द्रशेखर यादव, उप निरीक्षक राजीव भट्ट तथा मुख्य आरक्षी जितेन्द्र गौतम भी शामिल रहे। थानाध्यक्ष शशांक सिंह ने कहा है कि आवश्यक विधिक कार्यवाही पूरी कर आरोपी को न्यायालय भेजा गया।

कस्बा शोहरतगढ़ में चौथे बड़े मंगल पर हुआ भण्डारा

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। ज्येष्ठ माह के चौथे मंगलवार को पूरे देश सहित नगर पंचायत शोहरतगढ़ में बड़े मंगल पर भण्डारे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत हनुमान जी की पूजा-अर्चना और भोग अर्पण से हुई। भण्डारे में हजारों श्रद्धालुओं को पूड़ी, सब्जी, बूंदी, हलवा, चना और शरबत का प्रसाद वितरित किया गया। बड़े मंगल पर शोहरतगढ़ कस्बे के भारत माता चौक, गोलघर, श्रीराम जानकी मन्दिर सहित

अन्य स्थानों पर बजरंगबली की पूजा अर्चना कर प्रति वर्ष की भांति जगह-जगह भण्डारे का आयोजन किया गया। संयोजक गोपी रुंगटा, सतीश मित्तल, रवि अग्रवाल, अर्जुन गुप्ता, सौरभ गुप्ता, अजय सिंह सहित अन्य लोगों ने कहा कि यह भण्डारा हर साल बड़े मंगल पर आयोजित किया जाता है। उन्होंने युवाओं से धार्मिक और सामाजिक कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने का आग्रह किया। भण्डारे की सफलता में कई लोगों का योगदान रहा। आयोजन स्थल पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। प्रसाद वितरण देर सायं तक चलेगा। श्रद्धालुओं ने शान्तिपूर्वक भण्डारे में हिस्सा लिया। आयोजन की सफलता से वातावरण आध्यात्मिक और मंगलमय बन गया। भण्डारे में श्रद्धालुओं के लिए हलवा-पूरी की व्यवस्था की गई थी। साथ ही शीतल जल की भी व्यवस्था उपलब्ध थी। श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव के साथ प्रसाद ग्रहण किया। इस दौरान वातावरण भक्तिमय हो गया और श्रद्धालु लगातार 'जय बालाजी' और 'जय बजरंगबली' के जयकारे लगाते रहे। भण्डारे का उद्देश्य सामाजिक समरसता को बढ़ावा देना और पूजा के बाद श्रद्धालुओं को तहरी, रायता और बूंदी का प्रसाद वितरित किया गया। आयोजकों ने बताया कि बड़ा मंगल शोहरतगढ़ कस्बे की विशेष परम्परा है। इसका उद्देश्य पूजा-पाठ के साथ सामाजिक समरसता को बढ़ावा देना है। वहीं स्थानीय निवासियों का कहना है कि इस तरह के आयोजन से धार्मिक भावनाओं को बल मिलता है। साथ ही समाज में आपसी सहयोग की भावना मजबूत होती है। बड़े मंगल पर होने वाले ये आयोजन अब सांस्कृतिक उत्सव का रूप ले चुके हैं। इस दौरान भारत माता चौक स्थित गोपी रुंगटा के दुकान के सामने शरबत, पूड़ी सब्जी, छोला-चावल के साथ बूंदी सहित अन्य प्रसाद का वितरण किया गया। विधायक विनय वर्मा ने बजरंगबली की विधिवत पूजाकर प्रसाद वितरण की शुरुआत की। इस दौरान विधायक विनय वर्मा ने बजरंग बली को संकट मोचक बताते हुए भारत माता का जयकारा लगाया।

पंजीकृत कीटनाशी विक्रेता बिना रशीद के न बेचे दवा – विवेक दूबे

दैनिक बुद्ध का संदेश

उसका बाजार। जनपद सिद्धार्थनगर के कृषि रक्षा अधिकारी विवेक दूबे ने जनपद में चल रहे समस्त पंजीकृत कीटनाशी विक्रेताओं को निर्देशित करते हुए कहा कि पंजीकृत कीटनाशी विक्रेता

जिस कम्पनी या फिर थोक विक्रेता से दवा ले रहे हैं तो बिना पक्की रसीद के दवा और दवा को अपने दुकान पर रखकर ही किसानों को दें। जिला कृषि रक्षा अधिकारी ने निर्देशित करते हुए कहा कि निरीक्षणकर्ता के द्वारा अगर बिल नहीं मिला, तो कीटनाशी विक्रेताओं के ऊपर कार्यवाही भी की जा सकती है। दुकानदार किसान से दवा का अधिक मूल्य न लें जितना मूल्य रहे उतना ही लें। कहा कि स्टॉक रजिस्टर तथा सेल रजिस्टर वैध मेमो पूर्ण करके रखें। जांच के दौरान अनियमितता पाई जाती है तो समस्त के विरुद्ध कीटनाशक अधिनियम 1968 एवं कीटनाशी अधिनियम 1971 में दिए गये प्राविधानों के अन्तर्गत कठोरतम कार्यवाही की जायेगी।

जनसेवा मेरा संकल्प है और विकास मेरा निरन्तर रहेगा प्रयास – विधायक

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। विधानसभा क्षेत्र शोहरतगढ़ के बुढ़ापार व जयपुर गांव में विधायक विनय वर्मा ने मंगलवार को पूर्वांचल विकास निधि योजना से ₹31.34 लाख की लागत से बनी 380 मीटर इन्टरलाकिंग सड़क का लोकार्पण किया। वहीं बुढ़ापार गांव की जनता ने विधायक जी का फूल माला पहनाकर अत्यन्त गर्मजोशी से स्वागत किया। इसके लिए विधायक ने सभी का हृदय से धन्यवाद किया। विधायक ने कहा कि विधानसभा सभा क्षेत्र के शोहरतगढ़ ब्लाक के बुढ़ापार पिच रोड से जीवन श्रीवास्तव के घर तक 200 मीटर इन्टरलाकिंग जिसकी लागत ₹15.30 लाख व जयपुर गांव के पिच रोड से बसन्तपुर गांव तक 180 मीटर इन्टरलाकिंग सड़क जिसकी लागत ₹16.04 लाख की निर्माण कराई गई है। क्षेत्र में और भी कई सड़कों पर इन्टरलाकिंग व सीसी रोड का कार्य चल रहा है, जल्द ही यह बनकर तैयार हो जायेगा। कहा कि आप सभी मुझे एक जनप्रतिनिधि के रूप में जो स्नेह, सम्मान और विश्वास देते हैं, वही मुझे कार्य करने का ऊर्जा प्रदान करता है। विधायक ने कहा कि मैं वचन देता हूं कि हमेशा आपकी सेवा में तत्पर रहूंगा और आपकी हर समस्या का समाधान मेरी पहली प्राथमिकता रहेगी। डबल इंजन की सरकार में हर गांव, हर टोले तक विकास की किरणें पहुंच रही हैं और यह यात्रा थमने वाली नहीं है। जनसेवा मेरा संकल्प है और विकास मेरा निरन्तर प्रयास रहेगा। इस सड़क निर्माण कार्य से अब गांव के लोगों को लम्बे समय से चली आ रही दुर्गम रास्तों की समस्या से राहत मिलेगी। बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों को सुरक्षित और सुविधा जनक आवागमन मिलेगा, साथ ही स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। विधायक ने

कहा कि यह सिर्फ एक सड़क नहीं, बल्कि विकास की वो डगर है जो गांव-गांव तक खुशहाली पहुंचायेगी। गांव के लोगों ने मुझ पर जो भरोसा जताया, वो मेरे लिए अमूल्य है। इस दौरान हरिराम निषाद, रामदास मौर्या, भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ गोरखपुर क्षेत्रीय उपाध्यक्ष प्रदीप कमलापुरी, रूपेश सोनी, विजय कुमार गुप्ता, विष्णु सिंह, विपिन सोनी, हरीश वर्मा, कृष्ण पाल चौधरी, उमेश, प्रशान्त श्रीवास्तव, जीवन श्रीवास्तव, संजय श्रीवास्तव, अवनीन्द्र चौधरी, अरविन्द चौधरी सहित काफी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

श्रीरामचरित मानस व सुन्दरकाण्ड पाठ का हुआ आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। ज्येष्ठ माह के चौथे मंगलवार को लोक कल्याण व सुख समृद्धि के लिए मंदिरों व घरों में भगवान राम व हनुमान जी की सुन्दर झांकी सजाई गयी। हनुमान जी को

लालचोला, सिन्दूर तुलसीदल व बूंदी का भोग लगाकर आरती की गई। कष्टों से मुक्ति के लिए श्रीराम चरित्र मानस पाठ किया गया। नगर पंचायत शोहरतगढ़ कस्बे में स्थित चौक बाजार के पास गोपी रुंगटा ने लोक कल्याण के लिए सामूहिक सुन्दरकाण्ड पाठ का आयोजन किया। राहगीरों व प्यासे को शरबत पिलाया गया। भारत माता चौक, श्रीराम जानकी मंदिर व नगर पंचायत शोहरतगढ़ के अन्य सभी मंदिरों में सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। गोपी रुंगटा ने भक्तों में चावल, छोला, बूंदी का प्रसाद वितरण किया। सामूहिक पाठ में गोपी रुंगटा, राजेन्द्र रुंगटा उर्फ नीलू रुंगटा, श्याम रुंगटा, डब्लू कसौधन, अजय कुमार वर्मा, सूरज कौशल, अंकुर मित्तल, नन्दकिशोर पासवान, सोनू सिंह, दुर्गा प्रसाद त्रिपाठी, आकाश अग्रवाल, विकास अग्रवाल, भीम चन्द्र कसौधन, शिवकुमार, आनन्द रुंगटा, रोशन मित्तल आदि लोग मौजूद रहें।

नेपाल के कैसीनो से भारतीयों के घर बर्बाद, 3 राज्यों में फैला नेटवर्क

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। भारत-नेपाल बॉर्डर से सटे इलाकों में चल रहे कैसीनो भारतीय युवाओं की बर्बादी के अड्डे बनते जा रहे हैं। नेपाल में संचालित ये कैसीनो कई भारतीय युवाओं को मौत, कर्ज, अपराध और जेल की ओर धकेल रहे हैं। खेल में पूर्वांचल के सबसे ज्यादा प्रभावित जिलों में सिद्धार्थनगर, महराजगंज,

सन्तकबीर नगर, गोरखपुर, कुशीनगर, बलरामपुर आदि जनपद के युवा आदि फंसते जा रहे हैं। आपको बता दें कि 10 से 12 साल पहले नेपाल में सिर्फ एक कैसीनो था, आज इस समय नेपाल में कुल 22 कैसीनो चल रहे हैं। वहीं भारत-नेपाल बॉर्डर इलाकों में भी 07 कैसीनोचल रहे हैं। सप्ताह के अन्य दिनों के अलावा खासकर शनिवार और रविवार को भारत-नेपाल के बढ़नी, खुनुवा, ककरहवा, सोनौली बार्डर पर सबसे ज्यादा भारतीय वाहन और इस खेल में शामिल होने के लिए लोग मिल जायेंगे इन कैसीनो के जाल में फंसकर किसी ने सुसाइड कर लिया, तो कोई अपना घर बेचने को मजबूर हो गया। वहीं किसी ने चोरी का रास्ता अपना लिया, तो कोई अब तक करोड़ों रुपए गवा चुका है। कैसीनो की लत ने कई युवकों को तस्कर तक बना दिया है, जो अब हुंडी (मनी लान्ड्रिंग) जैसे काम में लिप्त हो गये हैं। उत्तर प्रदेश के महाराजगंज जिले के नौतनवा क्षेत्र में इसके खिलाफ शनिवार को नगर पालिका चेयरमैन बृजेश मणि त्रिपाठी के नेतृत्व में जोरदार विरोध प्रदर्शन किया गया। नौतनवा के उप जिलाधिकारी नवीन प्रसाद को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा, जिसमें भारत-नेपाल सीमा पर कैसीनो की गतिविधियों की निगरानी बढ़ाने, लोगों को जागरूक करने और कानूनी स्तर पर कड़े कदम उठाने की मांग की गई है।

घरुआर गांव में विकास के नाम पर भ्रष्टाचार करने का आरोप, ग्रामवासियों ने की डीएम से शिकायत

दैनिक बुद्ध का संदेश

बढ़नी/सिद्धार्थनगर। विकास खण्ड बढ़नी के ग्राम पंचायत घरुआर गांव में विकास के नाम पर जमकर भ्रष्टाचार करने का मामला प्रकाश में आया है। जिसके सम्बन्ध में ग्रामवासी रमेश कुमार यादव व ग्राम पंचायत सदस्य सन्तोष कुमार चौधरी ने शपथ पत्र के साथ जिलाधिकारी सिद्धार्थनगर डॉ0 राजा गणपति आर0 को लिखित शिकायती पत्र देकर जांच कराये जाने की मांग की है। गांव निवासी रमेश कुमार व सन्तोष कुमार शिकायतकर्ता का कहना है कि हमारे ग्राम पंचायत घरुआर विकास खण्ड बढ़नी में ग्राम पंचायत अधिकारी अनूप कुमार रावत और ग्राम प्रधान शारदा देवी द्वारा बिना कार्य कराये ही फर्जी भुगतान प्राप्त कर लिया गया है। जिसमें मदन के घर से राम सूरत के घर तक आरसीसी रोड और फूलमती के घर से मेन रोड तक आरसीसी रोड और आरती के घर से प्रियंका के घर तक आरसीसी रोड का लगभग 12 लाख का फर्जी भुगतान लगभग दो वर्ष पूर्व प्राप्त कर लिया गया है। इसी तरह फागिंग मशीन और डेस्टबिन व स्ट्रीट लाईट के नाम पर भी लगभग तीन लाख रुपये भी फर्जी भुगतान प्राप्त कर लिया गया है। जो जिम्मेदारों की मिलीभगत से शासन प्रशासन को गुमराह करने के साथ ही आम जनता की आंखों में धूल झोंकने का कार्य किया जा रहा है। जिससे गांव का विकास होने के बजाय प्रधान सचिव अपना विकास करने में लगे हुए हैं।

आदेश वापस नही हुआ तो व्यापक आन्दोलन होगा : वाई.के. द्विवेदी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थ नगर। सिंचाई विभाग में समाप्त किये पद को वापस नहीं किया गया तो व्यापक

आंदोलन होगा। सिंचाई विभाग संयुक्त कर्मचारी संघर्ष समिति के बैनर तले शिवाकांत पाण्डेय एवं राजेश श्रीवास्तव संयोजक के नेतृत्व में बुद्धवार को एक दिवसीय विशाल धरने व ज्ञापन देने का आयोजन नलकूप खंड के प्रांगण में संपन्न हुआ धरने को संबोधित करते हुए राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के जिलाध्यक्ष वाई0के0द्विवेदी ने कहा कि सिंचाई विभाग में पद को समाप्त किये गए पद को वापस करना चाहिए यदि पद वापस नहीं किया गया तो सभी कर्मचारी संगठन मिलकर व्यापक आंदोलन करेंगे। धरने का संचालन शिवाकांत पाण्डेय संयोजक ने किया। कार्यक्रम को मुख्यरूप से अनुपमा चौहान, मनोरमा सिंह, राजेश श्रीवास्तव,अष्टभुजा पाण्डेय मंत्री रोडवेज परिषद, शिवाजी त्रिपाठी ,जगदीश प्रसाद जिलेदार, रजनेश द्विवेदी आदि उपस्थित रहे।

डीएम ने आयुष्मान आरोग्य मन्दिर कासडीह पर आयोजित बीएचएनडी दिवस का किया निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। विकास खण्ड खेसरहा के आयुष्मान आरोग्य मन्दिर कासडीह पर आयोजित बीएचएनडी दिवस का जिलाधिकारी डा0 राजा गणपति आर0 ने बुधवार को निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान एएनएम, आशा, आंगनबाड़ी कार्यकत्री उपस्थित थी। टीकाकरण कार्ड पर आरसीएच नम्बर नहीं लिखा था, जिलाधिकारी द्वारा कड़ी नाराजगी व्यक्त की गयी। जिलाधिकारी ने अपने-सामने गर्भवती महिला माधुरी की ब्लड जांच, लम्बाई व वजन

कराया गया, सब ठीक पाया गया। इसके साथ ही सेन्टर पर गर्भवती महिलाओं का गोदभराई किया जा रहा था। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि पोषाहार का वितरण बीएचएनडी दिवस में करें। इसके साथ ही एचआरपी रजिस्टर, गर्भवती महिला पंजीकरण रजिस्टर आदि को देखा गया। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि आंगनबाड़ी कार्यकत्री तथा एएनएम का रजिस्टर एक समान होना चाहिए। आंगनबाड़ी एवं आशा दीदी को निर्देश दिया कि गांव में घर-घर जाकर टीकाकरण से एक दिन पूर्व गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों को सूचित करें। एएनएम को निर्देश दिया कि कोई भी बच्चा तथा गर्भवती महिला जांच एवं टीकाकरण से छूटना नहीं चाहिए।

गंगा दशहरा पर गंगा राप्ती आरती महोत्सव का आयोजन आज

दैनिक बुद्ध का संदेश

डुमरियागंज/सिद्धार्थनगर। गंगा दशहरा के अवसर पर आज शाम 6 बजे गंगा राप्ती आरती महोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया है जिसमें मां अविरल(?) गंगा आरती, भजन संध्या व प्रसाद वितरण का कार्यक्रम रखा गया है। बुधवार को पूर्व विधायक राघवेन्द्र प्रताप सिंह ने एसडीएम डा. संजीव दीक्षित, सीओ बृजेश कुमार वर्मा, प्रभारी निरीक्षक श्रीप्रकाश यादव के साथ राप्ती नदी तट स्थित कार्यक्रम स्थल निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिया तथा धर्म रक्षा मंच के पदाधिकारियों को दायित्व देते हुए कार्यक्रम को भव्यता देने हेतु चर्चा किया। उन्होंने बताया कि विगत वर्षों कि भांति इस वर्ष भी 5 जून को सांय 6 बजे गंगा दशहरा के शुभ अवसर पर धर्म रक्षा मंच के तत्वाधान में गंगा आरती महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया है जिसमें मां अविरल(?) गंगा आरती, दीपदान, भजन संध्या व प्रसाद वितरण का कार्यक्रम रखा गया है। इस बार राप्ती नदी के तट पर 1001 दीपों की सतरंगी छटा बिखरेगी। 108 शंखों की गूंज के बीच गंगा महाआरती की जाएगी। एसडीएम डा. संजीव दीक्षित व सीओ बृजेश कुमार वर्मा ने बताया कि कार्यक्रम में सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस की व्यवस्था चाक चौबंद रहेगी तथा चप्पे चप्पे पर पुलिस की निगरानी होगी। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से नदी के पानी और गहराई में नहीं जाने और यातायात के नियमों का पालन करते हुए प्रशासन का सहयोग करने का आवाहन किया है। इस दौरान उन्होंने सभी से कार्यक्रम में शामिल होने का आवाहन किया है। इस दौरान लवकुश ओझा, मधुसूदन आग्रहरि, राजन अग्रहरि, धर्मराज दुबे, मदन मिश्रा, कासिम, अंकित श्रीवास्तव, [illegible] आदि मौजूद रहे।

सम्पादकीय

> इन हालिया आंकड़ों में जो शामिल नहीं हो सके हैं, खासकर हाशिये पर गए समुदाय, उन्हें साक्षरता की सफलता से जोड़ना हमारा प्राथमिक लक्ष्य होना चाहिए। जरूरत इस बात की भी है कि स्कूली शिक्षा गुणवत्तापूर्ण हो, शिक्षकों को पर्याप्त प्रशिक्षण मिले, उनकी डिजिटल शिक्षा तक...

लैंगिक व क्षेत्रीय विभेद से भी मिले मुक्ति

निस्संदेह, भारत की साक्षरता का प्रतिशत करीब 81 फीसदी होना एक सराहनीय उपलब्धि व मील का पत्थर ही है। देश की आजादी के वक्त की साक्षरता स्थिति से इसकी तुलना करें तो इसे उपलब्धि की तौर पर देखा जाना चाहिए। किसी समाज में साक्षरता का स्तर उसकी प्रगति का आईना ही होता है। ये आंकड़े हमारे समाज की शिक्षा तक पहुंच में निरंतरता का पर्याय भी हैं। हालांकि, 2023–24 के आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण यानी पीएलएफएस के आंकड़ों से यह भी उजागर होता है कि सार्वभौमिक साक्षरता की ओर राष्ट्र का यह कदम निरंतर कई असमानताओं से भी बाधित है। खासतौर पर यह भेद लिंग और क्षेत्रीय आधार पर नजर आता है। उदाहरण के लिए देखें तो शहरी क्षेत्रों में साक्षरता की दर ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में अधिक है। जिसका मुख्य कारण शहर केंद्रित विकास को तरजीह व शिक्षा के लिये अनुकूल परिस्थितियों का होना भी है। आंकड़े बताते हैं कि शहरी भारत में साक्षरता की दर 88.9 है, वहीं दूसरी ओर ग्रामीण क्षेत्रों में यह 77.5 फीसदी ही हो पायी है। निश्चित रूप से विभिन्न राज्यों में प्रतिध्वनित यह शहरी व ग्रामीण साक्षरता का अंतर शिक्षा के बुनियादी ढांचे, योग्य शिक्षकों की उपलब्धता और सीखने के अवसरों में असमानता को ही दर्शाता है। कमोबेश इसी प्रकार देश के विभिन्न राज्यों में लैंगिक असमानताएं भी नजर आती हैं। यह विडंबना ही कही जाएगी कि कई राज्यों में लड़कियों की शिक्षा पर दशकों से नीतिगत स्तर ध्यान केंद्रित करने के बावजूद पुरुष साक्षरता महिला साक्षरता के मुकाबले कहीं आगे नजर आती है। निश्चित रूप से इसके मूल में सामाजिक रूढ़ियां, सामाजिक चेतना का अभाव व आर्थिक विकास की विसंगतियां निहित हैं। जिसके चलते लड़कियों को शिक्षा के पर्याप्त अवसर नहीं मिल पाते। जटिल भौगोलिक परिस्थितियों के बीच स्कूलों की दूरी और आवागमन की पर्याप्त सुविधा उपलब्ध न हो पाना भी महिला शिक्षा के प्रतिशत में गिरावट का कारक बनती है। इन तमाम कारणों को नये सिरे से संबोधित करने की जरूरत है। लेकिन वहीं कुछ राज्यों में लक्ष्यों पर केंद्रित अभियानों व शासन–प्रशासन की सक्रियता के सकारात्मक परिणाम भी सामने आए हैं। लक्षद्वीप, दिल्ली, तमिलनाडु और त्रिपुरा के परिणाम दर्शाते हैं कि जब शासन की सक्रियता, लोगों की पहुंच और सामुदायिक जुड़ाव एक साथ आते हैं तो कुछ भी संभव है। दरअसल, आर्थिक विसंगतियों से जूझते व सामाजिक व आर्थिक सुधारों को अमल में न ला सकने वाले राज्य साक्षरता के लक्ष्य राष्ट्रीय अनुपात में नहीं प्राप्त कर सके। सबसे कम साक्षरता दर वाले बिहार की स्थिति गरीबी, अपर्याप्त स्कूली शिक्षा, सांस्कृतिक कारणों व शिक्षा की राह में बाधा डालने वाली सामाजिक बाधाओं के जटिल अंतर्संबंध को रेखांकित करती है। यहां इन उत्साहजनक आंकड़ों के बावजूद कई सवाल हमारे सामने पैदा होते हैं। प्रश्न यह भी है कि हम किस तरह की साक्षरता विकसित कर रहे हैं? क्या शिक्षा की गुणवत्ता इस स्तर की है कि वो लोगों के जीवन में व्यापक बदलावों का कारक बन सके? बात सिर्फ आंकड़ों की नहीं है पड़ताल इस बात की भी की जानी चाहिए कि साक्षरता क्या वास्तव में प्रगतिशील सोच, नागरिक दायित्वों और आर्थिक जीवन में सार्थक रूप से भाग लेने की क्षमता विकसित करती है? इन हालिया आंकड़ों में जो शामिल नहीं हो सके हैं, खासकर हाशिये पर गए समुदाय, उन्हें साक्षरता की सफलता से जोड़ना हमारा प्राथमिक लक्ष्य होना चाहिए। जरूरत इस बात की भी है कि स्कूली शिक्षा गुणवत्तापूर्ण हो, शिक्षकों को पर्याप्त प्रशिक्षण मिले, उनकी डिजिटल शिक्षा तक भी पहुंच हो तथा शिक्षा में निवेश बढ़ाया जाये। आवश्यकता यह भी है कि नई शिक्षा नीति के अनुरूप प्राथमिक शिक्षा मातृभाषा में ही दी जाए। इसके साथ यह भी जरूरी है कि वयस्क साक्षरता अभियानों को प्राथमिकता दी जाए। खासकर आर्थिक रूप से पिछड़े व संसाधनों के अभाव वाले राज्यों में। इस दिशा में हमारे प्रयास तभी सफल हो सकते हैं जब शासन–प्रशासन के प्रयासों के साथ सामुदायिक स्तर पर बढ़ी कोशिश की जाए। जनजागरण और सूचना माध्यमों की रचनात्मक भूमिका साक्षरता अभियान के लक्ष्यों को हासिल करने में बदलावकारी साबित हो सकती है।

खुद को स्वच्छ रखते हुए पर्यावरण को प्रदूषण मुक्त रखें

प्रत्येक वर्ष 5 जून को 'विश्व पर्यावरण दिवस' मनाया जाता है। आज का दिन एक वैश्विक संदेश देता है कि अब वह समय आ गया है जब मनुष्य और प्रकृति के बीच समाप्त हो चुके संतुलन को पुनः स्थापित किया जाना चाहिए। इस वर्ष 2025 में विश्व पर्यावरण दिवस का थीम है 'विश्व स्तर पर प्लास्टिक प्रदूषण का अंत'। गौरतलब है कि 5 जून को पर्यावरण दिवस के रूप में मनाने का प्रारंभ सन 1972 में हुआ। बात यह है कि उसी वर्ष 1972 ईस्वी में ही संयुक्त राष्ट्र ने स्वीडन की राजधानी स्टॉकहोम में पहला पर्यावरण सम्मेलन आयोजित हुआ था। उक्त सम्मेलन में कुल 119 देशों ने भाग लिया था और पहली बार पूरी दुनिया ने पर्यावरण पर गंभीर विमर्श किया था। पर्यावरण के चार मुख्य अंग होते हैं वायुमंडल, जलमंडल, स्थलमंडल और जीवमंडल। हमारी पृथ्वी के चारों ओर गैसों की परत जो हमें सूर्य की हानिकारक किरणों से बचाती है वह वायुमंडल कहलाती है। जबकि पृथ्वी पर सभी प्रकार के पानी, जैसे कि महासागर, झीलें, नदियाँ, और भूमिगत जल मिलकर जल मंडल का निर्माण करते हैं। साथ ही पृथ्वी की ठोस सतह जिसमें चट्टानें, मिट्टी, और भूमि शामिल हैं वे स्थलमंडल हैं जबकि पृथ्वी पर सभी जीवित चीजें, जैसे कि पेड़, पौधे, जानवर और सूक्ष्मजीव, जलमंडल के रूप में जाने जाते हैं। इन चारों अंगों का आपस में घनिष्ठतम संबंध होता है और वे सभी मिलकर पर्यावरण का निर्माण करते हैं। अब प्रश्न यह उठता है कि हमने अपने पर्यावरण को कितना स्वच्छ रखा है। पर्यावरण को प्रदूषण से बचाने के लिए सरकारी के साथ निजी स्तर पर भी प्रयास करना होगा। किसी भी राष्ट्र के नागरिकों का यह नैतिक दायित्व है कि वह अपने पर्यावरण को स्वच्छ और सुरक्षित रखे। दुर्भाग्यवश हम सोचते हैं कि आस पास के वातावरण को स्वच्छ रखना सरकारी संस्थाओं का दायित्व है। पेड़ हमारी सांसों को सुरक्षित रखते हैं। आज पर्यावरण के दिन सिर्फ पेड़ लगाना ही हमारा नैतिक दायित्व नहीं है बल्कि उसे सींचकर संजोना भी हमारा नैतिक कर्तव्य है। हमें पेड़ और पौधों को अपने छोटे से बच्चों की भांति संजोना होगा तभी पेड़ बचेंगे। कहते हैं कि तीसरा विश्व युद्ध जल के लिए होगा। हमें पानी को गंदगी से बचाना होगा। अपने अपने स्तर पर यदि नागरिक प्रयास करें तभी स्वच्छ जल की परिकल्पना साकार होगी। प्लास्टिक इस धरती का सबसे बड़ा शत्रु है। कितने जानवरों की मौत प्लास्टिक के कचरे से होती है। हमें अपने स्तर पर ही पालीथीन के प्रयोग को बंद करना होगा। अंत में बस इतना ही जहां तक संभव हो, गंदगी से बचिए और दूसरों को भी बचाईए। पर्यावरण को स्वच्छ रखें और आने वाली नस्लों को प्रदूषण मुक्त रखें।

लेखक विनय कांत मिश्र/ दैनिक बुद्ध का संदेश

वोट की राजनीति न हो राष्ट्रीय मुद्दों पर

प्रधानमंत्री ने सही कहा है कि पहलगाम में आतंकियों ने भारत का खून ही नहीं बहाया, हमारी संस्कृति पर भी हमला किया है। पर ऑपरेशन सिंदूर को घर–घर सिंदूर पहुंचाने की कवायद में बदलना भी अपने आप में संस्कृति पर हमला है। अच्छा है भाजपा ने इस खबर को 'फेक' कह दिया है, पर यह सवाल तो हवा में है ही कि सिंदूर जैसी चीज के साथ जुड़ी भावनाओं और पवित्रता को राजनीति से जोड़ने की कोशिश ही क्यों होती है? ...

विश्वनाथ सचदेव

ऑपरेशन सिंदूर अभी समाप्त नहीं हुआ, स्थगित हुआ है। स्थगित होने का नया मतलब है, यह समझना यदि मुश्किल नहीं है तो आसान भी नहीं है। फिर भी, पहलगाम में हुई अमानुषिक आतंकवादी कार्रवाई के विरोध में जिस तरह सारा देश एक होकर उठ खड़ा हुआ और जिस तरह विपक्ष ने सरकार को पूरा समर्थन दिया, उससे राष्ट्र की एकता और ताकत का अहसास तो हो ही जाता है। जहां तक राष्ट्र की सुरक्षा का सवाल है, यह एकता भरोसा देने वाली है। यह मुद्दा राजनीति का कतई नहीं है। पहले भी जब–जब ऐसी स्थितियां आई हैं, सारे देश ने एक होकर दुश्मन का मुकाबला किया है, उसे धूल चटायी है। आगे भी यदि कभी स्थितियां बनती हैं तो निश्चित रूप से देश एक होकर खड़ा होगा, इसमें संदेह नहीं करना चाहिए। लेकिन राजनीति की एक विडंबना यह भी है कि राजनीतिक स्वार्थ अक्सर राष्ट्रीय हितों पर हावी हो जाते हैं। इसलिए जरूरी है कि इस स्थिति से बचने के प्रति सजग रहा जाये। यहीं गड़बड़ हो रही है। जहां समूचा विपक्ष ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के लिए राष्ट्र की एकता को रेखांकित कर रहा है, वहीं सरकार इसका राजनीतिक लाभ उठाने के लालच से बच नहीं पा रही। हालांकि आतंकवाद के विरुद्ध जानी की गयी यह लड़ाई अभी पूरी नहीं हुई है। ऑपरेशन सिंदूर सिर्फ स्थगित हुआ है, पर इसे सफलता घोषित करके उसका राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश भी स्पष्ट दिखाई दे

रही है। ऐसा नहीं होना चाहिए था, पर हुआ है तो इसके बारे में बात भी होगी। और बात निकलेगी तो दूर तलक जायेगी। इस बारे में कुछ और कहने से पहले इस बात को स्वीकार किया जाना जरूरी है कि पहलगाम के काण्ड की सजा देने के लिए हमारी सेना ने पाकिस्तान स्थित आतंकवादियों के ठिकानों को जिस तरह से ध्वस्त किया है, उसकी सिर्फ प्रशंसा ही की जा सकती है। ऐसा नहीं है कि इसके अलावा और कुछ किया ही नहीं जा सकता था, अथवा किया ही नहीं जाना चाहिए था, पर जो कुछ हुआ उसकी महत्ता को स्वीकार करना ही चाहिए। इस शौर्य के लिए जहां हमारी सेना प्रशंसा की अधिकारी है, वहीं देश के नेतृत्व को भी उसके हिस्से का यश मिलना चाहिए। पर जिस तरह से सरकार इस यश को भुनाने की कोशिश कर रही है, उससे सवाल उठने स्वाभाविक हैं। सरकार की इस कार्रवाई की शुरुआत तो 'ऑपरेशन' के नामकरण के साथ ही हो गयी थी। निश्चित रूप से किसी भी राजनीतिक दल में राजनीतिक लाभ उठाने की लालसा तो होती ही है, पर भाजपा में ऐसा हर लाभ प्रधानमंत्री के खाते में जमा करने की प्रवृत्ति एक प्रतियोगिता का रूप ले चुकी है। शायद इसीलिए, इस बात को प्रचारित करना जरूरी समझा गया कि कार्रवाई के नाम के साथ सिंदूर जोड़ने का आइडिया स्वयं प्रधानमंत्री का था। हो सकता है यह सही भी हो, पर सामान्यतः ऐसी सैनिक कार्रवाइयों का नामकरण सेना के सम्बंधित विभाग ही करते हैं। वहां सच्चाई कुछ भी हो, भाजपा ने सिंदूर के साथ जुड़ी भावनाओं का राजनीतिक लाभ उठाने में कोई देरी नहीं की। अपनी रगों में खून की जगह गर्म सिंदूर बहने की बात कहकर जैसे प्रधानमंत्री ने अपने समर्थकों को आगे बढ़ने का एक रास्ता दिखा दिया था। देश के अलग–अलग हिस्सों में प्रधानमंत्री की जय–जयकार के लिए सभाओं और रोड शो का आयोजन हो रहा है। प्रधानमंत्री अच्छी तरह समझते हैं कि चुटकी भर सिंदूर की कीमत कितनी होती है। इसीलिए उन्होंने रगों में सिंदूर बहने वाली बात कही थी। वे यहीं तक नहीं रुके। देश भर में उनके भक्तों ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का जश्न मनाने की योजना बना ली। देश की महिलाओं को सिंदूर बांटने की योजना भी बन गयी, ऐसा कहा जाता है। इस आशय का समाचार जब मीडिया में आया तो इसकी आलोचना भी खूब हुई। भाजपा ने शायद सोचा था कि पिछले चुनाव में जिस तरह प्रधानमंत्री ने कांग्रेस द्वारा 'आपका मंगलसूत्र छीनकर दूसरों को देने की बात' कहकर राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश की थी, वैसा ही लाभ सिंदूर वाली बात से भी लिया जा सकेगा। पर इस बार दांव कुछ उल्टा पड़ता दिखा। फिर भाजपा की ओर से सिंदूर बांटने की किसी भी योजना से इनकार वाला समाचार आया। पर चर्चा इस बात की है कि इस इनकार के लिए भाजपा को पूरे ढाई दिन क्यों लगे? भाजपा का आईटी सेल अचानक इतना धीमा कैसे हो गया? जिस समाचार पत्र ने यह समाचार छापा था उसने भी खेद प्रकट करने में पूरा समय लिया। आखिर क्यों? इस क्यों का उत्तर कोई नहीं दे रहा। अब न भाजपा यह मानने को तैयार है कि उसके 'ऑपरेशन सिंदूर' का यह सिंदूर बांटने वाला हिस्सा राजनीतिक भूल थी, और न ही विपक्ष भाजपा को नीचा दिखाने वाला यह मौका सहज ही गंवाना चाहता है। बिहार का चुनाव अभी पांच–छह महीने दूर है। भाजपा यह उम्मीद कर सकती है कि तब तक उसकी यह सिंदूर बांटने वाली चूक मतदाता भूल जायेगा। पर यह सवाल अपनी जगह है कि हमारे राजनेता अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए जनता की भावनाओं के साथ कब तक खेलते रहेंगे?

'बच्चों के लिए मां के दूध के समान है मातृभाषा'

> हम उम्मीद कर सकते हैं कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन से बच्चे खेल–खेल में कविताएं कंठस्थ करेंगे। गिनती और पहाड़ा सीखेंगे। बुनियादी अभिवादन, भाव, अक्षर, संख्याएं सीखेंगे। वे विभिन्न वाद्ययंत्रों की पहचान करना सीखेंगे। मसालों, सब्जियों और फलों के नाम भी सीखेंगे। श्रवण कौशल को बढ़ाएंगे। विभिन्न क्षेत्रों के राष्ट्रीय नायकों के बारे में जानेंगे...

प्रो. सुरेंद्र दुबे

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसरण में शैक्षणिक सत्र 2025–26 से पूर्व प्राथमिक से पांचवीं कक्षा तक मातृभाषा को शिक्षा का माध्यम बनाने की पहल कई दृष्टियों से महत्वपूर्ण है। मातृभाषा में शिक्षा मिलने से बच्चा आसानी से विषय को समझ पाता है। उसका आत्मविश्वास बढ़ता है। इस तरह मातृभाषा में प्राथमिक शिक्षा बच्चे के बौद्धिक विकास में सहायक होती है। मातृभाषा प्राथमिक शिक्षा का स्वाभाविक और सर्वाधिक समर्थ माध्यम है। बच्चे चूंकि मातृभाषा अथवा घर में बोली जाने वाली भाषा जल्द से जल्द सीख लेते हैं इसलिए शिक्षा के माध्यम को परिचित भाषा में ढालने में सहायता मिलती है और भाषा शिक्षण की पद्धति को वैज्ञानिक ढंग से लागू करने की राह सुगम होती है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसरण में राष्ट्रीय पाठ्यचर्या ढांचा की सिफारिश के अनुसार कक्षा एक से पांच तक बच्चा अपनी मातृभाषा में पढ़ाई करेगा। इस दौरान वह अपनी पसंद के मुताबिक एक दूसरी भाषा भी पढ़ेगा। जब वह छठी कक्षा में जाएगा तो वह तीसरी भाषा पढ़ेगा। बुनियादी चरण में यानी पूर्व प्राथमिक से दूसरी कक्षा और आयु की दृष्टि से तीन से आठ वर्ष में पढ़ाई मातृभाषा में होनी है। इस चरण में बच्चे पहली भाषा यानी मातृभाषा में पढ़ना लिखना समझना सीखेंगे। दूसरी भाषा को महज मौखिक रूप से बच्चों से परिचित कराया जाना है। तीसरी से पांचवीं कक्षा की आयु यानी करीब 11 वर्ष तक के बच्चे दूसरे विषयों की पढ़ाई भी मातृभाषा में करेंगे। यदि छात्र मौखिक भाषा (दूसरी भाषा) में पर्याप्त दक्षता प्राप्त कर लेते हैं तो उन्हें परिवर्तन की अनुमति दी जा सकती है।

एक बहुभाषिक देश होने के कारण भारत में भाषा–प्रयोग की दृष्टि से एक बड़ी चुनौती यह है कि ऐसी कई भाषाएं हैं जिनकी कोई अपनी लिपि नहीं है और वे अभी भी मौखिक रूप में ही प्रचलित हैं। इसीलिए जहां मातृभाषा में लेखन की परंपरा न हो, जहां कक्षा में भाषाई विविधता हो, वहां राष्ट्रीय शिक्षा नीति में परिवर्तन की छूट दी गई है। इससे मातृभाषा और बहुभाषावाद दोनों को बढ़ावा मिलेगा। इसे ध्यान में रखने की जरूरत है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति भाषाओं को एक–दूसरे की किसी प्रतिद्वंद्विता में नहीं रखती, न यह उन्हें बांधती या रोकती ही है। यह उन्हें अपने विकास के लिए मुक्त करती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में एक ऐसे राष्ट्र की कल्पना की गई है, जहां बहुभाषावाद का न केवल स्वागत किया जाएगा, बल्कि सीखने की क्षमता को बढ़ाने के लिए इसका लाभ उठाया जाएगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति एक सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ सहज, स्वाभाविक और नैसर्गिक प्रक्रिया के तहत दूसरी भाषाएं भी सीखने–सिखाने की सुविधा देती है। भारत एक बहुभाषी राष्ट्र है। संविधान की आठवीं अनुसूची में अभिलिखित 22 भाषाओं के अतिरिक्त कई अन्य भाषाएं भी हैं। भारत सरकार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भारत की अनेकानेक मातृभाषाओं में स्कूली शिक्षा का जो विकल्प दिया है, उसे पूरा करने की दृष्टि से केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान द्वारा हाल में जारी किए गए भारतीय भाषाओं में प्राइमर और तेरह भाषाओं में विशेष मॉड्यूल बेहद उपयोगी होंगे। अब तक 13 भाषाओं में प्राइमर तैयार किए जा चुके हैं, जिनमें कश्मीरी (फारसी–अरबी), सिंधी (देवनागरी), सिंधी (फारसी–अरबी), कश्मीरी (देवनागरी), बाल्टी, संथाली, जेमी, उर्दू, संगतम, लाई (भाषी), गोंडी–तेलुगु, भीली (भागड़ी) और चोकरी शामिल हैं। कुल प्राइमर की संख्या 117 हो गई है। भारतीय भाषाओं में ये प्राइमर केंद्रीय भारतीय भाषा संस्थान (सीआईआईएल) और राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) द्वारा विकसित किए गए हैं।

117 भारतीय भाषाओं में विकसित प्राइमर का उद्देश्य शिक्षार्थी की मूल भाषा में संदर्भ–समृद्ध सामग्रियों के माध्यम से प्रारंभिक स्तर पर पढ़ने और लिखने की सुविधा प्रदान करना, कम उम्र से भाषा के साथ भावनात्मक और सांस्कृतिक संबंध को बढ़ावा देना और संज्ञानात्मक विकास और सामाजिक एकीकरण के आधार के रूप में बहुभाषा सीखने की सुविधा देना है। छोटे बच्चों के लिए, ये प्राइमर भविष्य की शिक्षा और संज्ञानात्मक विकास के लिए एक मजबूत आधार प्रदान करते हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने मातृभाषा में शिक्षा का अवसर देकर महात्मा गांधी के सपने को भी पूरा किया है। गांधी जी ने 'हरिजन' के 09–07–1938 के अंक में मातृभाषा में स्कूली जीवन में शिक्षा नहीं दिए जाने के नुकसान का विवरण दिया है और लिखा है कि गणित, रसायनशास्त्र और ज्योतिष सीखने में उन्हें चार साल लगे उतना उन्होंने एक ही साल में आसानी से सीख लिया होता, अगर अंग्रेजी के बजाय उन्हें गुजराती में पढ़ा होता। उस हालत में आसानी और स्पष्टता के साथ इन विषयों को वे समझ लेते। गुजराती का उनका शब्द ज्ञान कहीं ज्यादा समृद्ध हो गया होता और उस ज्ञान का उन्होंने अपने घर में उपयोग किया होता। स्कूली जीवन के स्वयं के अनुभव से गांधीजी इस निष्कर्ष पर पहुंचे थे कि हर तरह की शिक्षा मातृभाषा में ही उत्तम ढंग से दी जा सकती है। गांधी जी मातृभाषा को मां के दूध के बराबर मानते थे। उन्होंने कहा था, 'मातृभाषा मनुष्य के मानसिक विकास के लिए उसी प्रकार स्वाभाविक है, जिस प्रकार मां का दूध शिशु के शरीर के विकास के लिए। शिशु अपना पहला पाठ मां से सीखता है। इसलिए बच्चों के मानसिक विकास के लिए उनके ऊपर मातृभाषा के अलावा कोई और भाषा थोपना मैं मातृभूमि के लिए पापाचार समझता हूं।'

भारत का नाम लेकर बिलावल उगल रहे थे जहर, मुस्लिम पत्रकार ने तबीयत से धो डाला!

बिलावल भुट्टो पाकिस्तान के पक्ष से झूठ परोसने के लिए अमेरिका पहुंचे थे। यहां उन्होंने कई नेताओं से मुलाकात की और कई आयोजनों में हिस्सा लिया। संयुक्त राष्ट्र में भी उन्होंने बोला और जितनी बार बोला उतनी बार ये साबित हो गया कि पाकिस्तान के झूठ बोलने की कोई लिमिट नहीं है। बिलावल भुट्टो जिस अंदाज में ताबड़तोड़ तरीके से लंबी लंबी फेंक रहे थे। कई बार तो वो खुद ओवर कॉन्फिडेंस के चक्कर में उसमें फंसते हुए नजर आए। भारत के मुसलमानों को लेकर पाकिस्तान के बिलावल भुट्टो अमेरिका में बड़े कॉन्फिडेंस में झूठ बोल रहे थे। लेकिन एक पल भी नहीं लगा और पाकिस्तान की पीपुल्स पार्टी के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो की पोल खुल गई। बिलावल भुट्टो ने भारत में नफरत का बीज बोने के लिए अंतरराष्ट्रीय मंच से एक ऐसा बयान दिया, जिसके बाद उन्हें लगा कि वो भारत में फूट डाल देंगे और दुनिया में झूठा नैरेटिव सेट कर देंगे। लेकिन यहां वो कमजोर पड़ गए।

बिलावल ने कहा कि भारत के मुसलमानों को आतंकी समझा जा रहा है। लेकिन बिलावल के इस झूठ का विदेशी मुस्लिम पत्रकार ने ही पर्दाफाश कर दिया और ऐसा काउंटर बयान दिया, जिसके बाद बिलावल सिर्फ सिर हिलाते रह गए। पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री और पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी ने संयुक्त राष्ट्र की प्रेस ब्रीफिंग में आरोप लगाया कि हाल ही में पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत में मुसलमानों को अलग नजर से देखा जा रहा है। भुट्टो ने कहा कि पहलगाम अटैक का राजनीतिकरण भारतीय मुसलमानों को बदनाम करने के लिए किया जा रहा है। हालांकि, कार्यक्रम में मौजूद एक पत्रकार ने इस व्यापक सामान्यीकरण को गलत बताया। अपने निजी अनुभव से पत्रकार ने बताया कि भारतीय सेना की ब्रीफिंग, जिसमें ऑपरेशन सिंदूर पर ब्रीफिंग भी शामिल है, मुस्लिम अधिकारियों द्वारा ही आयोजित की गई थी।

पत्रकार ने जवाब दिया कि आपने कहा कि कश्मीर में हाल ही में हुए आतंकवादी हमले का इस्तेमाल भारत में मुसलमानों को बदनाम करने के लिए एक राजनीतिक हथियार के रूप में किया जा रहा है।

लेकिन, सर मैंने दोनों पक्षों की ब्रीफिंग देखी है। जहां तक मुझे याद है वहां मुस्लिम भारतीय सैन्य अधिकारी थे जो भारतीय पक्ष की ब्रीफिंग कर रहे थे। इस टिप्पणी से भुट्टो स्पष्ट रूप से परेशान हो गए, उन्होंने कोई खंडन नहीं किया और केवल यह स्वीकार किया। जहां तक ऑपरेशन का सवाल है आप बिल्कुल सही हैं।

पत्रकार का संदर्भ ऑपरेशन सिंदूर पर कर्नल सोफिया कुरैशी द्वारा आयोजित मीडिया ब्रीफिंग से था, जिन्हें एक अन्य महिला अधिकारी विंग कमांडर व्योमिका सिंह के साथ देश भर में प्रसिद्धि मिली थी। बिलावल भुट्टो वर्तमान में संयुक्त राज्य अमेरिका में एक संसदीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं, जिसका काम हाल के क्षेत्रीय तनावों पर इस्लामाबाद का पक्ष प्रस्तुत करना है। यह दौरा 22 अप्रैल के आतंकवादी हमले के बाद भारत की सैन्य प्रतिक्रिया, ऑपरेशन सिंदूर के मद्देनजर हो रहा है। पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल की संरचना भारत की हालिया कूटनीतिक पहुंच को प्रतिबिंबित करती प्रतीत होती है, जहां शशि थरूर और असदुद्दीन ओवैसी जैसे विपक्षी नेताओं सहित एक सर्वदलीय संसदीय दल पहलगाम नरसंहार के बाद नई दिल्ली के रुख को प्रस्तुत करने के लिए कई देशों का दौरा कर रहा है।

केविन पीटरसन ने हिन्दी में पोस्ट करके जताया इंडियन आर्मी का आभार, IPL का बताया सर्वश्रेष्ठ टूर्नामेंट

इंग्लैंड के पूर्व दिग्गज क्रिकेटर केविन पीटरसन ने हाल ही में आईपीएल 2025 के बेहतरीन आयोजन के बाद अपने सोशल मीडिया हैंडल पर हिन्दी में एक पोस्ट शेयर कर सबका दिल जीत लिया। इस पोस्ट में उन्होंने न सिर्फ आईपीएल से जुड़े लोगों का आभार जताया बल्कि इंडियन आर्मी को भी धन्यवाद कहा, जो उनकी इस पोस्ट का सबसे खास हिस्सा रहा। केविन ने अपनी पोस्ट में लिखा कि, आईपीएल सम्पन्न होने के साथ ही मैं 2025 के शानदार आयोजन के लिए सभी को बधाई देना चाहता हूं और उनका धन्यवाद करना चाहता हूं। बीसीसीआई से शुरू करते हुए खिलाड़ी, कोच, बैक रूम स्टाफ, होटल, स्टेडियम अधिकारी, कोच ड्राइवर, बैगेज मैन, सुरक्षाकर्मी और भारतीय सेना। सभी धन्यवादों के साथ में आप सभी प्रशंसकों का बहुत-बहुत धन्यवाद कहना चाहता हूं। आप आईपीएल को दुनिया का सबसे बेहतरीन टूर्नामेंट बनाते हैं। भारत में सभी को शुभकामनाएं और आरसीबी को बधाई। वहीं केविन की ये पोस्ट इसलिए भी खास है क्योंकि वो हिन्दी में लिखा गया है जो उनके भारतीय फैंस के प्रति प्यार और सम्मान को दर्शाता है। बता दें कि, केविन आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स के मेंटॉर हैं और समय-समय पर भारतीय क्रिकेट के लिए अपनी प्रशंसा जाहिर करते रहते हैं। इससे पहले भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज से पहले उन्होंने करुण नायर और केएल राहुल की जमकर तारीफ की थी।

ट्रॉफी के साथ रोड शो नहीं होगा, RCB विक्ट्री परेड हुई कैंसिल, यहां जानें कारण

18 साल में पहली बार आरसीबी ने आईपीएल का खिताब जीता है। इसके लिए बेंगलुरु के लोगों को उनके सपोर्ट के लिए विक्ट्री परेड के जरिए शुक्रिया अदा करने जा रही है। लेकिन अब बेंगलुरु में विक्ट्री परेड नहीं निकलेगी। आरसीबी की विक्ट्री परेड को लेकर ट्रैफिक एडवाइजरी आई है। बेंगलुरु में ट्रैफिक व्यवस्था को देखते हुए इस परेड को कैंसिल कर दिया गया है। अब टीम सीधे चिन्नास्वामी स्टेडियम पहुंचेगी।

आरसीबी चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीम पहले ओपन बस के जरिए बेंगलुरु की सड़कों पर अपने फैंस के बीच से होकर चिन्नास्वामी पहुंची थी। आरसीबी की ये परेड विधान सौदा से शुरू होकर चिन्नास्वामी स्टेडियम पर खत्म होनी थी। लेकिन ट्रैफिक एडवाइजरी के चलते अब इसे कैंसिल कर दिया गया है। इसके साथ ही बेंगलुरु के लोगों के लिए विशेष गाइडलाइंस भी जारी की गई हैं।

बेंगलुरु में ऐसा नहीं है कि आरसीबी की जीत का जश्न नहीं मनाया जाएगा। टीम के सभी खिलाड़ी सीधे चिन्नास्वामी स्टेडियम पहुंचेंगे। इस मैदान पर शाम 5 बजे से बेंगलुरु की जीत का जश्न मनाया जाएगा। बेंगलुरु पुलिस ने लोगों से अपील की है कि लिमिटेड पार्किंग के चलते लोग मेट्रो या पब्लिक ट्रांसपोर्ट का ही इस्तेमाल करें। इसके साथ ही लोगों से कहा गया है कि जब तक ज्यादा जरूरी काम न हो, तब तक आज बुधवार 4 जून को दोपहर 3 बजे से रात 8 बजे के बीच सीबीडी की तरफ न जाएं क्योंकि लोगों को इस जगह भारी ट्रैफिक मिल सकता है।

आईपीएल 2025 खीताब जीतने पर आरसीबी पर हुई करोड़ों रुपये की बारिश, कटेगा इतना टैक्स

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने अपना पहला आईपीएल खिताब जीत लिया है। बेंगलुरु ने फाइनल मुकाबले में पंजाब किंग्स को हराकर ट्रॉफी अपने नाम की। बेंगलुरु की टीम को आईपीएल विजेता बनने पर प्राइज मनी में 20 करोड़ रुपये मिले हैं। आईपीएल की विजेता टीम को पूरी राशि नहीं मिलती, बल्कि इस पर जो टैक्स लगता है उसके हिसाब से ही रकम मिलती है। आरसीबी को भी आईपीएल की प्राइज मनी के 14 करोड़ रुपये टीम को मिलेंगे। प्रीति जिंटा की टीम पंजाब किंग्स आईपीएल में रनर्स-अप रही। इस टीम को प्राइज मनी में 13 करोड़ रुपये मिले हैं। इस पर भी विनिंग टीम की तरह ही 30 फीसदी का टैक्स लगेगा। जिसके मुताबिक इस टीम को 3.90 करोड़ रुपये टैक्स के भरने होंगे। वहीं पंजाब की टीम को प्राइज मनी के 9 करोड़ 10 लाख रुपये हाथ में मिलेंगे।

आईपीएल 2025 समाप्त हो गया है, बेंगलुरु ने पंजाब को फाइनल मुकाबले में 6 रनों से मात दी। पंजाब ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था। इसके जवाब में बेंगलुरु ने 191 रनों का लक्ष्य पंजाब किंग्स के सामने रखा, जिसे श्रेयस अय्यर की टीम हासिल नहीं कर पाई और रजत पाटीदार की कप्तानी में आरसीबी ने आईपीएल कप जीत लिया। पाटीदार ने कहा कि पूरी टीम विराट कोहली के लिए ये टूर्नामेंट जीतना चाहती थी। विराट ने आरसीबी जीत पर जश्न मनाया और आखिरी ओवर में टीम को जीतता देख उनकी आंखें नम हो गईं और आंसू बहने लगे।

अंबानी का एंटीलिया लेने चली थी TikToker, पाकिस्तानी दोस्त ने ही गोलियों से भून डाला

पाकिस्तान के इस्लामाबाद में 17 वर्षीय सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर सना यूसुफ की उनके घर में गोली मारकर हत्या कर दी गई। सना के टिकटॉक पर 7.4 लाख और इंस्टाग्राम पर करीब 5 लाख फॉलोअर्स थे। ये वही लड़की है जब भारत और पाकिस्तान के बीच टेंशन चल रहा था तो खुलेआम पाकिस्तान के लोगों को खुश करने के लिए। पाकिस्तान की सेना आसिम मुनीर को खुश करने के लिए भारत के खिलाफ वीडियो बनाती है। वो कहती थी कि पाकिस्तानी सेना ने भारत के खिलाफ जो ऑपरेशन किया है, उसके बाद ऐसा लग रहा है कि हम अगला जन्मदिन दिल्ली में मनाएंगे। अंबानी के एंटीलिया में हमारी कोठी होगी। शाहरुख खान के बंगले का टॉप फ्लोर हमारा होगा।

पाकिस्तान की नई जेनरेशन भारत के खिलाफ कैसे घृणा से भरी हुई नजर आती है, ये इस लड़की के वीडियोज देखकर आपको पता चल जाएगा। लेकिन 17 साल की इस टिकटॉकर के खिलाफ भारत में कभी कुछ नहीं कहा गया। इसके दुश्मन पाकिस्तानी ही निकले। पाकिस्तान में जिस 22 साल के लड़के के साथ ये ज्यादातर वक्त रहती थी। दावा यही किया जा रहा है कि उसी लड़के ने इसे गोलियों से भून दिया। फिल्मी स्टाइल में लड़की की कहानी का चैप्टर खत्म किया गया है। वारदात के 20 घंटे के भीतर पुलिस ने आरोपी उमर हयात उर्फ काका को फैसलाबाद से गिरफ्तार कर लिया। यह खुद भी टिकटॉकर है और हत्या की बात कबूल कर ली है।

हालांकि पाकिस्तान में इस तरह की वारदात की ये कोई पहली घटना नहीं है। टिकटॉक गर्ल हो या फिर सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर जो तेजी से उभर रही हो और खासकर लड़की हो तो उसकी जान ले ली गई हो। पिछले पांच महीनों में पाकिस्तान में महिला इन्फ्लुएंसर्स की हत्या का यह तीसरा मामला है। पुलिस के मुताबिक, सना घर पर अपनी आंटी के साथ थीं, उस वक्त मां-बाप और छोटा भाई घर पर नहीं थे, जब आरोपी मिलने आया। बातचीत के बाद उमर ने सना को दो गोलियां मारीं, जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई।

कौन थी सना यूसुफ

2 जून 2008 को जन्मी सना यूसुफ पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के चित्राल में पली-बढ़ीं। वह एक स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ता की बेटी थी और उन्होंने महिलाओं के अधिकारों, संस्कृति और शिक्षा पर सामग्री साझा करने के लिए अपने स्वयं के मंच का इस्तेमाल किया, खासकर युवा दर्शकों के लिए। समय के साथ, उन्होंने एक मजबूत डिजिटल उपस्थिति बनाई, इंस्टाग्राम पर 500,000 से अधिक फॉलोअर्स जुटाए। हालांकि उनके शुरुआती जीवन और शिक्षा के बारे में जानकारी सीमित है, लेकिन बताया जाता है कि सना मेडिकल की प्रथम वर्ष की छात्रा थीं। उनके सोशल मीडिया कंटेंट में हास्य, प्रेरणा और चित्राली संस्कृति के प्रति गहरा प्रेम समाहित था।

नारायण मूर्ति के 18 महीने का पोता भी है बेहद अमीर, कमाई जानकर उड़ जाएंगे आपके होश

भारत के सबसे प्रतिष्ठित आईटी संस्थानों में शुमार इंफोसिस

के सह संस्थापक नारायण मूर्ति के परिवार का सदस्य इन दिनों चर्चा में है। नारायण मूर्ति का पोता एकाग्र रोहन मूर्ति जिसकी उम्र महज 18 महीने की है, वो इन दिनों चर्चा में है। सिर्फ 18 महीने की उम्र में ही एकाग्र रोहन मूर्ति ने 6.5 करोड़ रुपये की डिविडेंड इनकम की कमाई कर चुके हैं। रिपोर्ट्स की मानें तो एकाग्र जब सिर्फ चार महीने थे उस समय भी नारायण मूर्ति की ओर से उन्हें 240 करोड़ रुपये के शेयर जो इंफोसिस के हैं, वो गिफ्ट के तौर पर मिले थे। ये शेयर कंपनी की 0.04 फीसदी हिस्सेदारी के बराबर है। वहीं अब डिविडेंड मिलने से भी एकाग्र को काफी लाभ हुआ है। बता दें कि कुछ समय पहले ही इंफोसिस ने शेयरधारकों को डिविडेंड दिया है जो 43 करोड़ रुपये मूल का है। इसमें कंपनी के कुल शेयरहोल्डर्स जो 84.2 करोड़ हैं, उन्हें 2330 करोड़ रुपये बांटे गए हैं। ऐसे में एकाग्र के पास भी 15 लाख शेयर हैं, जिनकी कीमत 6.5 करोड़ रुपये होती है। ये राशि ही डिविडेंड के तौर पर मिली है। ऐसे में एकाग्र सिर्फ 18 महीने में ही करोड़ों के मालिक बन चुके हैं। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो जब इंफोसिस ने डिविडेंड बांटे हैं तो इससे इंफोसिस के अन्य प्रमोटर्स को भी काफी लाभ हुआ है। कंपनी के चेयरमैन नंदन निलेकणी को चार करोड़ शेयर के लिए 175 करोड़ रुपये मिले हैं। नारायण मूर्ति ने 1.5 करोड़ शेयर के जरिए 65 करोड़ रुपये की कमाई की है और कंपनी के सह संस्थापक क्रिस गोपालकृष्णन ने 3.2 करोड़ शेयर के जरिए 137 करोड़ रुपये कमाए। बता दें कि सबसे अधिक डिविडेंड सुधा गोपालकृष्णन को मिला है जिन्होंने 9.5 करोड़ शेयर के जरिए 410 करोड़ रुपये का डिविडेंड पाया है। बता दें कि नारायण मूर्ति के परिवार ने डिविडेंड से करोड़ों रुपये की कमाई की है। नारायण मूर्ति के बेटे रोहन मूर्ति को छह करोड़ शेयर के जरिए 261.5 करोड़ रुपये हासिल हुए हैं। उनकी बहन अक्षता मूर्ति के पास भी 3.8 करोड़ शेयर है जिसके लिए उन्हें 167 करोड़ रुपये मिले हैं।

जेलेंस्की के मकड़ा बम से हिला मॉस्को, 1100 KG के बम से कैसे उड़ा डाला पुतिन का ड्रीम प्रोजेक्ट

रूस से आई तस्वीरों ने एक बार फिर से रूस को हिला कर रख दिया है। यूक्रेन के लगातार स्पेशल ऑपरेशंस रूस को बड़ा नुकसान पहुंचा रहे हैं। नई तस्वीरें क्रीमिया से सामने आई हैं, जहां यूक्रेन की सुरक्षा सेवा ने एक बड़े ऑपरेशन के तहत क्रीमिया ब्रिज पर तीसरी बार हमला किया। इस बार उन्होंने पुल के अंदर यानी की अंडर वॉटर विस्फोटक लगाकर धमाका किया। सामने आई तस्वीरों में साफ पता चलता है कि किस तरह से एक बड़ा धमाका होता है और कुछ ही पल में पूरा पुल तहस नहस हो जाता है। इससे पुल को गंभीर नुकसान हो गया है। मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है कि इस ऑपरेशन में 1100 किलो टीएनटी विस्फोटक का इस्तेमाल किया गया है। लोकल मीडिया रिपोर्ट के अनुसार ये घटना 3 जून को सुबह 4 बजे के करीब हुई।

रूस और क्रीमिया को जोड़ने वाले यूरोप के सबसे बड़े पुल को यूक्रेन ने एक बार फिर निशाना बनाया है। यूक्रेनी खुफिया एजेंसी एसबीयू ने कहा कि 2022 और 2023 में भी हमने इस पुल पर हमला किया था। एजेंसी ने विस्फोट का एक वीडियो भी जारी किया है। यूक्रेन ने दावा किया कि इस ऑपरेशन को महीनों की प्लानिंग और अंडरवॉटर ड्रोन टेक्नोलॉजी से अंजाम दिया गया। यह हमला उस भीषण हमले के दो दिन बाद हुआ, जिसमें यूक्रेन ने रूस के 40 से ज्यादा फाइटर जेट्स और बमवर्षक विमानों को भारी नुकसान पहुंचा था। बता दें कि केर्च ब्रिज रूस के राष्ट्रपति पुतिन का ड्रीम प्रोजेक्ट था, जो 19 किमी लंबा है और रूस को सीधे क्रीमिया से जोड़ता है। 2014 में क्रीमिया को नियंत्रण में लेने के बाद यह ब्रिज रूसी सैन्य आपूर्ति और सामरिक गतिविधियों की रीढ़ माना जाता है। 24 घंटे में यूक्रेन के 1400 से ज्यादा सैनिकों को मार गिराया : रूस ने दावा किया कि बीते 24 घंटों में यूक्रेन के 1400 से ज्यादा सैनिकों को मार गिराया है। सबसे अधिक नुकसान स्वैटलग्रुप साउथ में बताया गया है, जहां 750 सैनिक मारे गए और दस बख्तरबंद वाहन तबाह हुए। वहीं, यूक्रेन ने भी रूस के 1100 सैनिकों को मारने का दावा किया है। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने हमले की निंदा करते हुए कहा कि यह इस बात को रेखांकित करता है कि मॉस्को का तीन साल से जारी युद्ध को रोकने का कोई इरादा नहीं है। यह हमला इस्तांबुल में सीधी शांति वार्ता के एक दिन बाद हुआ, जिसमें युद्ध को समाप्त करने के लिए कोई प्रगति नहीं हुई। स्थानीय अधिकारियों ने कहा कि रॉकेटों की बौछार ने सुमी के केंद्र में अपार्टमेंट इमारतों और एक चिकित्सा सुविधा को निशाना बनाया। इस बीच, यूक्रेन की खुफिया एजेंसी ने कहा कि उसने रूस के अंदर फिर से हमला किया है। इसके दो दिन पहले यूक्रेन ने ड्रोन के जरिये रूस के अंदर घुसकर उसके हवाई अड्डों पर भीषण हमला किया था जिसमें कई विमान नष्ट हो गए थे।

20 जून तक बंद रहेगा लार बाईपास मार्ग

देवरिया। रामजानकी मार्ग से बाईपास होते नवलपुर–सलेमपुर जाने वालों को अब दूसरे रास्ते से जाना पड़ेगा। लार से नवलपुर तक मार्ग निर्माण की वजह से कुछ लार से 20 जून तक बाईपास मार्ग बंद रहेगा। बाईपास के दोनों तरफ के रास्ते को अवरुद्ध कर दिया गया है। इस आशय का एक पत्र नगर पंचायत के ईओ ने जारी किया है। रामजानकी मार्ग से हाईडिल तिराहा से बाईपास मार्ग होकर नवलपुर–सलेमपुर के रास्ते हजारों वाहन रोजाना निकलते हैं। नगर पंचायत लार के ईओ ने सोशल मीडिया पर डाले गए पत्र में कहा है बाईपास निर्माण के लिए आज से मार्ग आवाजाही रोक दी गई है।

वीडियो वायरल होने के बाद लेखपाल निलंबित

देवरिया। रिश्वत लेते वीडियो वायरल होने पर, एसडीएम विपिन कुमार द्विवेदी ने लेखपाल को निलंबित कर दिया। वायरल वीडियो में लेखपाल काले रंग का चश्मा लगाए और चौकन्ना दिखाई दे रहा है। वह एक शख्स के ऊपरी जेब में रखे मोबाइल को अंदर रखने के लिए कह रहा है। वह किसी कार्य के बदले में पास में खड़े शख्स से रिश्वत लेते भी दिख रहा है। एसडीएम विपिन कुमार द्विवेदी ने बताया कि लेखपाल सूरज कुमार सिन्हा को तत्काल प्रभाव से निलंबित करते हुए उनके खिलाफ विभागीय जांच शुरू करा दी गई है।

आर्केस्ट्रा देखने के दौरान में दो पक्षों में विवाद

देसही देवरिया। महुआडीह थाना क्षेत्र के लीलापुर गांव में रात बिहार के चंपारण जिले से आई बरात में आर्केस्ट्रा प्रोग्राम के दौरान दो पक्षों में विवाद हो गया। पुलिस ने मामला शांत कराया। थाना क्षेत्र के लीलापुर गांव में बिहार के चंपारण जिले से बरात आई थी। इसमें आर्केस्ट्रा को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। इसी बीच किसी ने सूचना पुलिस को दे दी। खबर मिलने पर पहुंची पुलिस ने समझा–बुझाकर मामला शांत कराया। इसके बाद दोनों पक्षों ने सुलह कर लिया।

गर्मी में बह रहा पसीना, पानी की कमी से बढ़ रहे बीपी के मरीज

देवरिया। गर्मी बढ़ने से स्वास्थ्य पर असर पड़ रहा है। इस मौसम में ब्लड प्रेशर की दिक्कत हो रही है। पसीना अधिक निकलने से पानी की कमी पर बीपी बढ़ने का खतरा बढ़ जाता है। इससे उम्र दराज लोग बीपी, शुगर, हार्ट के मरीज अधिक प्रभावित होते हैं। मेडिकल कॉलेज में ब्लड प्रेशर की समस्या को लेकर मरीजों की संख्या में इजाफा हुआ है। रोजाना 50 से 60 मरीज इलाज के लिए आ रहे हैं। डॉक्टर जांच, दवा के साथ ही सावधानी बरतने की सलाह दे रहे हैं। भीषण गर्मी में थोड़ी सी लापरवाही से सेहत बिगड़ रही है। ऐसे में बीपी के कम होने और बढ़ने की दिक्कत हो रही है। गर्मी के कारण पसीना निकलने और शरीर के गर्म होने से इलेक्ट्रोलाइट बैलेंस का बिगड़ जाता है। इससे हाई बीपी होने का खतरा बढ़ जाता है। अधिक पसीना होने से शरीर में पानी की कमी हो जाती है। इससे ब्लड गाढ़ा हो जाता है। इसकी वजह से ब्लड प्रेशर बढ़ सकता है। गर्मी से ब्लड की नलिया फैल सकती हैं। इससे बीपी कुछ देर के लिए कम हो सकता है। अधिक नमकीन खाद्य पदार्थ के सेवन से बढ़ने की आशंका रहती है। इन दिनों मेडिसिन विभाग की ओपीडी में मरीजों की भीड़ हो रही है। लंबी कतार लगी थी। डॉ. विजय गुप्ता, डॉ. सुशील कुमार ने करीब 350 से अधिक मरीजों का इलाज किया।

सोशल मीडिया पर रहेगी पैनी नजर.. दूर रहें अफवाहों से

देवरिया। पुलिस लाइंस के सभागृह में डीएम दिव्या मित्तल और एसपी विक्रांत वीर की मौजूदगी में गंगा दशहरा, बकरीद एवं जगन्नाथ रथ यात्रा जैसे महत्वपूर्ण पर्वों को आपसी भाईचारे एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाने के लिए पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। डीएम ने कहा कि त्योहार के दौरान पुलिस सोशल मीडिया पर पैनी नजर रखेगी। उन्होंने लोगों को अफवाहों से दूर रहने की सलाह दी है। डीएम ने कहा कि बकरीद पर नमाज ईदगाह और मस्जिद के भीतर क्षमता अनुसार ही पढ़ी जाए। सड़क पर नमाज पढ़ने से बचने की जरूरत है। प्रतिबंधित पशुओं की कुर्बानी नहीं की जाए। सार्वजनिक स्थानों पर भी कुर्बानी पर प्रतिबंध रहेगा। उन्होंने कुर्बानी के पश्चात अवशेषों के उचित निस्तारण करने के निर्देश दिए। कोई भी नई परंपरा प्रारंभ करने की अनुमति नहीं होगी। सोशल मीडिया पर किसी भी प्रकार की घृणित व कुत्सित विचारधारा को प्रोत्साहन देने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। सोशल मीडिया की निगरानी विशेष रूप से की जा रही है। एसपी विक्रांत वीर ने कहा कि त्योहारों के मद्देनजर पुलिस प्रशासन की तैयारी पुख्ता है। संवेदनशील स्थानों को चिह्नित कर पुलिस की तैनाती की जाएगी। पुलिस नियमित रूप से गश्त कर रही है। इस दौरान प्रभारी सीएमओ डॉ. अनिल कुमार गुप्ता, अपर जिलाधिकारी प्रशासन जैनेंद्र सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक सुनील कुमार सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक अरविंद कुमार वर्मा मौजूद रहे।

ई–कवच पर फीडिंग सुस्त सुधार की दी चेतावनी

महराजगंज। स्वास्थ्य विभाग के ई–कवच पोर्टल की समीक्षा, सदर सीएचसी सभागार में हुई। इसमें सर्वे फीडिंग खराब होने पर सीएचसी अधीक्षक ने नाराजगी जाहिर करते हुए सुधार लाने की चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि सभी एएनएम आशा के सर्वे कार्य की फीडिंग की समीक्षा करते रहे। दायित्व निर्वहन में लापरवाही मिलने पर कार्रवाई होगी। उन्होंने बताया कि प्रति आशा को सर्वे में परिवार संख्या, आभा आईडी, स्क्रीनिंग, दस्तक अभियान रिपोर्ट, बुखार के मरीज, गर्भवतियों और बच्चों के टीकाकरण सहित अन्य सर्वे कार्य को पोर्टल पर फीड किया जाता है। लेकिन आशा की ओर से कार्य को ठीक ढंग से नहीं किया जा रहा है। इससे पोर्टल पर फीडिंग की प्रगति खराब है। ऐसे में अपने दायित्व को ठीक ढंग से निर्वहन करते हुए सर्वे कार्य को पोर्टल पर फीड करते रहे। उन्होंने सभी एएनएम को निर्देश दिया कि आशा से सर्वे कार्य की फीडिंग समय से कराई जाए। इस मौके पर बीसीपीएम लवली वर्मा, स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी श्रीभगवत सिंह, डॉ. उमेश चंद्रा के अलावा आशा रूप मौजूद रहे।

दुकान और गोदाम में लगी आग, 50 लाख से अधिक का सामान राख

देवरिया। कस्बे के किशोरगंज में सौंदर्य प्रसाधन की दुकान और गोदाम में देर रात करीब 11 बजे अचानक आग लग गई। आग की लपटें इतनी तेज थी कि आसपास के लोग भयभीत हो गए।

सूचना पर पहुंची कोतवाली पुलिस और अग्निशमन विभाग टीम ने करीब पांच घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। तब तक दुकान और दुकान में रखा सारा सामान जलकर राख हो गया था। सुबह मौके पर पहुंची राजस्व विभाग की टीम ने क्षति के लिए रिपोर्ट तैयार की। आग से नुकसान करीब 50 लाख से अधिक की आंकी गई है।

जानकारी के अनुसार, पसपुराम धाम निवासी हरिश्चंद्र उर्फ मुन्ना रौनियार की किशोरगंज में किराये में मकान में आगे सौंदर्य प्रसाधन की दुकान और पीछे गोदाम है।

वह दुकान बंद कर घर चले गए। रात करीब 11 बजे दुकान के बगल के लोगों ने उन्हें मोबाइल पर फोन कर दुकान में आग लगने की सूचना दी। मौके पहुंचे तो अवाक रह गए।

इस दौरान किसी ने इसकी जानकारी कोतवाल संतोष कुमार सिंह को दी। पुलिस टीम के साथ कोतवाल मौके पर पहुंच गए।

अग्निशमन विभाग की टीम को आग लगने की जानकारी दी। जब तक अग्निशमन विभाग की टीम पहुंचती, तब तक आग ने विकराल रूप ले लिया।

गली सकरी होने के चलते अग्निशमन विभाग की गाड़ी मुख्य मार्ग पर खड़ी कर पाइप के जरिये आग बुझाने की कोशिश होने लगी। करीब 4.30 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।

थारू जनजाति क्षेत्र में जनजागृति का अभियान चला रही है गायत्री परिवार

बलरामपुर/पचपेड़वा। गायत्री परिवार के सक्रिय युवा परिजन अजय चौधरी के द्वारा थारू जनजाति क्षेत्र गोड़नी प्राथमिक विद्यालय में माता भगवती भोजनालय मंदिर से मिशन के कार्यक्रमों को साकार करते हुए आने वाले 10,11 और 12 जून 2025 को 3 दिवसीय कलश यात्रा, 5 कुंडीय यज्ञ, महादीप यज्ञ और प्रवचन कार्यक्रम आयोजित किया गया है. इस विद्यालय में प्रत्येक शुक्रवार को अजय के संरक्षण में बाल संस्कारशाला भी चलाई जा रही है. इसी की तैयारी के लिए बुधवार को गायत्री परिवार पचपेड़वा के परिजन संजय जायसवाल, ...कुमार पांडे शिक्षक अजय चौधरी, बलरामपुर युवा प्रकोष्ठ के प्रभारी संदीप जायसवाल, स्थानीय कार्यकर्ता बलवान, कुंदन और निकटतम गांवों के भाई/बहनों की उपस्थिति में एक गोष्ठी/परिचर्चा आयोजित की गई इस परिचर्चा/गोष्ठी का समापन हम हैं गायत्री परिवार गीत और शांतिपाठ के साथ संपन्न हुई। इस कार्यक्रम में सैकड़ों माताओं और बहनों की उपस्थिति विशेष रूप से सराहनीय रही।

मिलावटी और बासी मिठाइयां बिगाड़ देंगी सेहत

देवरिया। सहालग का समय चल रहा है। इस दौरान जिले में मिठाइयों की बिक्री बढ़ गई है। ऐसे में मिलावटखोर भी सक्रिय हो गए हैं। वहीं खाद्य सुरक्षा और औषधि विभाग की टीम समय–समय पर मिठाई की दुकानों का निरीक्षण कर दुकानदारों को मिठाई की ट्रे पर बेस्ट बिफोर लिखने, यानी इस्तेमाल की समयसीमा को कहता है। फिर भी शहर के कई दुकानदार यह नहीं लिख रहे।

वहीं पिछले दिनों खाद्य विभाग ने कनक स्वीट हाउस से एक केक और दो मिठाई के नमूने लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा है। वहीं चिकित्सक मिठाइयों को जांच–परख कर खरीदने की सलाह दे रहे हैं। उनका कहना है मिलावटी और बासी मिठाई खाने से सेहत को खतरा हो सकता है। कुछ दुकानदारों ने कहा कि वह मौखिक रूप से ग्राहकों को जानकारी दे रहे हैं।

भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण ने मिठाइयों की ट्रे पर बेस्ट बिफोर (कब तक खाने योग्य) तिथि अंकित करने के निर्देश दिए हैं, ताकि लोगों को पता चल सके कि मिठाई की गुणवत्ता कब तक बरकरार रहेगी।

ग्राहकों का आरोप है कि कुछ हलवाई और मिठाई विक्रेता इस नियम का पालन नहीं कर रहे हैं। वे मिठाई की ट्रे पर एक्सपायरी डेट लिखने से बच रहे हैं। एक्सपायरी डेट न लिखने से पता नहीं चलता कि मिठाई कितनी पुरानी है।

दुकानों में बिकने वाली मिठाइयां गुणवत्ता के मापदंडों को अंगूठा दिखा रही हैं। खोआ में पाम ऑयल, वनस्पति तेल, वेजिटेबल फूड ऑयल और रिफाइंड ऑयल आदि की मिलावट की जा रही है और उससे मिठाइयां बनाई जा रही हैं। जिम्मेदार अधिकारी सब कुछ जानने–समझने के बावजूद इसे रोकने के बजाय हाथ–पर–हाथ धरे बैठे हैं।

संवाद न्यूज एजेंसी की टीम ने शहर में बस स्टैंड के सामने स्थित तीन से चार दुकानों का जायजा लिया तो कहीं पर भी मिठाइयों के ट्रे पर बेस्ट बिफोर नहीं लिखा मिला। यही हाल रेलवे स्टेशन रोड की एक मिठाई की दुकान पर भी है। दुकानदार कीमत लिख दे रहे हैं, मगर बेस्ट बिफोर लिखने से कतरा रहे हैं।

बलरामपुर घोसियाना का नाम अब नागेश्वरमपुरम

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। बलरामपुर नगर पालिका अध्यक्ष डॉक्टर धीरेंद्र प्रताप सिंह उर्फ धीरू द्वारा ताबड़तोड़ मोहल्ला का नाम बदलकर हिंदुओं के पुराने नाम पर किया जा रहा है। इसी क्रम में घोसियाना मोहल्ला का नाम परिवर्तन करके नागेश्वरपुरम करने हेतु नगर पालिका कार्यवाही बैठक सं–16 दिनांक 9–4–2025 को 4 बजे पालिका मीटिंग हाल में अन्य आवश्यक विषय अध्यक्ष महोदय की अनुमति से बोर्ड प्रस्ताव सं.128(1) नगरपालिका सीमान्तर्गत झारखंडी मंदिर के बगल मोहल्ला घोसियाना का नाम बदलकर नागेश्वरपुरम किये जाने पर विचार किया गया जिसे सर्वसम्मति से पारित कर स्वीकृति प्रदान की गयी। इससे पूर्व यतीन खाना का नाम भी बदलकर महाराजा किया जा चुका है।

03 अभियुक्त व 01 अभियुक्ता को नगदी व जेवर चोरी के आरोप में मोतीपुर पुलिस ने गिरतार कर भेजा जेल

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बहराइच। थानाध्यक्ष मोतीपुर आनन्द चौरसिया मय पुलिस बल

द्वारा चोरी की चूड़ी 06 सफेद धातु, खडुवा 02 सफेद धातु, कान का झुन्दा 01 जोड़ी पीली धातु 01 जोड़ी टप्स पीली धातु व 4500/– रूपये नगद के साथ 03 अभियुक्त व 01 अभियुक्ता को गिरतार कर जेल भेजा गया व अभियोग के सफल अनावरण पर पुलिस अधीक्षक द्वारा अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण व क्षेत्राधिकारी मिहीपुरवा को प्रशस्ति पत्र देते हुये पुलिस टीम को पच्चीस हजार रूपये के पुरस्कार से किया गया सम्मानित। प्राप्त विवरण अनुसार दिनांक 29/30.05.2025 को मोतीपुर थाना क्षेत्र के ग्राम लौकाही में अज्ञात चोरों द्वारा रात्रि में घर में घुसकर चोरी किये जाने के सम्बन्ध में वादी मुकदमा नासिर पुत्र शरीफ खान की तहरीरी सूचना पर समुचित धाराओं में अभियोग पंजी.त कर विवेचना प्रारम्भ की गयी। पुलिस अधीक्षक द्वारा पुलिस टीम गठित कर जनपदीय पुलिस इकाईयों की मदद से उक्त घटना के शीघ्र अनावरण करने हेतु निर्देशित किया गया। स्थानीय पुलिस टीम द्वारा घटना के अनावरण हेतु सतत् प्रयास किये जा रहे थे व इसी बीच आज थानाध्यक्ष मोतीपुर व चौकी प्रभारी बलईगांव के नेतृत्व में अभियोग से सम्बन्धित अज्ञात चोरों की तलाश की जा रही थी कि मुखबिर खास से सूचना प्राप्त हुई कि आपके मुकदमे से सम्बन्धित 01 चोर लौकाही नहर के पास मौजूद होकर अपने दूसरे साथी के इन्तजार में है। सूचना पर तत्काल पुलिस टीम द्वारा मुखबिर की निशानदेही पर अभियुक्त मो0 एखलाख खान उर्फ बिल्ला पुत्र छोटे की जामा तलाशी लेते हुये गिरतार कर गम्भीरतापूर्वक पूछताछ की गई तो बताया कि मैंने फैय्याज पुत्र नासिर व फैय्याज की मां सायदा पत्नी नासिर एवं फैय्याज के चाचा मैनुद्दीन खान पुत्र शरीफ खान के साथ मिलकर नासिर पुत्र शरीफ के घर से फैय्याज की मां सायदा व चाची शायना पत्नी शमशुद्दीन के सोने चांदी के जेवरात एवं नगदी चोरी किये थे जिसमें हम लोगों ने शायना के जेवरात मो0 आजम पुत्र हाजी मोहम्मद असलम की सर्राफा दुकान पर बेच दिये थे तथा शेष माल आपस में बांट लिये थे। इस पर पुलिस टीम द्वारा अन्य अभियुक्तों सायदा पत्नी नासिर तथा मैनुद्दीन पुत्र शरीफ, मो0 आजम(सोनार) को हिरासत पुलिस में लेकर चोरी की घटना के सम्बन्ध में कड़ाई से पूछताछ की गई तो सायदा द्वारा बताया गया कि मेरी देवरानी शायना पत्नी शमशुद्दीन का जेवर मेरे पास सुरक्षित रखा था को लेकर मेरे मन में लालच आ गया था जो मैं शायना को वापस नहीं देना चाहती थी इसलिये मैंने अपने देवर मैनुद्दीन व बेटे फैय्याज व उसके मित्र मो0 एखलाख के साथ मिलकर अपने पति नासिर को बिना बताये चोरी की योजना बनाते हुये अपनी देवरानी का व स्वयं का जेवर उक्त लोगों की मदद से चोरी करवा दिया था व देवरानी शायना के गहने सोनार मो0 आजम पुत्र हाजी मोहम्मद असलम को बेच दिया था तथा शेष पैसे एवं गहने आपस में बांट लिये थे जिसको लेकर मेरे पति द्वारा थाने पर चोरी का झूठा मुकदमा लिखवा दिया गया था जिनको हमारी चोरी की योजना के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। इस प्रकार पुलिस टीम द्वारा अभियुक्तों से कुल बरामदगी के आधार पर मु0अ0सं0 281/2025 धारा 307, 331(4) बीएनएस में धारा 307 बीएनएस का विलोपन करते हुये धारा 61(2), 317(2), 305, 231 बीएनएस की बढ़ोत्तरी गयी। गिरतारशुदा अभियुक्तों/अभियुक्ता को जेल भेज दिया गया।

किसानों को सशक्त बनाने का कार्य कर रही है रिद्धि सिद्धि ट्रैक्टर्स

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। नगर पंचायत पचपेड़वा में समाजसेवी व भाजपा

के गैसड़ी विधानसभा से दावेदार राम सरन गुप्ता द्वारा रिद्धि सिद्धि ट्रैक्टर्स एजेंसी के माध्यम से माध्यम वा कमजोर वर्ग के किसानों को आत्म निर्भर और सशक्त बनाने का कार्य किया जा रहा है, ट्रैक्टर को किसानों का सच्चा साथी कहा जाता है क्योंकि कृषि संबंधी विभिन्न छोटे से लेकर बड़े कार्यों को करने के लिए किसानों को एक दमदार ट्रैक्टर की जरूरत पड़ती है। एक अच्छे ट्रैक्टर के साथ भी किसान खेती के कठिन से कठिन कार्यों को सहजता से पूरा कर सकते हैं। अगर आप भी छोटी खेती या बागवानी के लिए दमदार प्रदर्शन वाला ट्रैक्टर खरीदने की योजना बना रहे हैं, तो आपके लिए ट्रैक्टर बेहतरीन विकल्प साबित हो सकता है। युगुल भाईयो मनोज कुमार गुप्ता और रमेश कुमार गुप्ता कमजोर किसानो को बैंको द्वारा ट्रैक्टर ऋण दिलाकर सशक्त बना रहे हैं जिससे किसान मजबूत बन सके।

बिजली का तार काटने के आरोप में अभियुक्त को चोरी के माल के साथ पयागपुर पुलिस ने किया गिरतार

दैनिक बुद्ध का संदेश

पयागपुर। विद्युत तार काटने के आरोप में पयागपुर पुलिस ने चोरी के माल के साथ अभियुक्त को गिरतार कर जेल भेज दिया

व गिरतार किए गए अभियुक्त गुलशन कुमार पुत्र घनश्याम निवासी ग्राम शिवदहा थाना पयागपुर जनपद बहराइच के निवासी हैं इनके खिलाफ थाना पयागपुर में मु0अ0सं0 179/2025 धारा 303(2),317(2) व 3 व 2/3 सार्वजनिक सम्पत्ति नुकसान निवारण अधिनियम मुकदमा दर्ज किया गया व गिरतार किए गए अभियुक्त के पास से 10 किलो विद्युत तार व तार काटने के उपकरण 01 पेचकस, 03 रिंच, 04 हैक्सा ब्लेड, 01 छेनी बरामद किया गया।

राजकीय हाईस्कूल टेंडवासिस्टीपुर में आयोजित हो रहा समर कैंप

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बहराइच। राजकीय हाईस्कूल टेण्डवा सिस्टीपुर–बहराइच में दिनांक 21 मई से 10 जून 2025 तक आयोजित होने वाले समर कैंप की गतिविधियों में 04 जून 2025 को आयोजित कार्यक्रमों में सबसे पहले योग एवं व्यायाम छात्र–छात्राओं ने किया। तत्पश्चात खेल–खेल में व्याकरण, मूक अभिनय, संवाद/वाद विवाद एवं कविता लेखन, सुनो – सोचो और लिखो के संबंध में जानकारी प्रदान करते हुए प्रधानाचार्य बच्छ राज ने उपरोक्त कार्यक्रमों की व्याख्या

की। प्रधानाचार्य ने खेल खेल में व्याकरण का अर्थ बताते हुए कहा कि व्याकरण को मजेदार और मनोरंजक तरीके से सीखना ही खेल–खेल में व्याकरण है। मूक अभिनय में कलाकार कुछ बोले ही कहानी का प्रदर्शन शरीर के माध्यम से करते हैं यह मूक हास्य कला से कुछ भिन्न है। बोलने से पहले सुनो, लिखने से पहले सोचो, खर्च करने से पहले कमाओ, प्रार्थना से पहले माफ करो, चोट देने से पहले महसूस करो, घृणा करने से पहले प्यार करो, छोड़ने से पहले प्रयास करो। यह संदेश सभी छात्र–छात्राओं को दिया गया। इसके बाद प्रधानाचार्य ने बताया कि संवाद का अर्थ है वार्तालाप या बातचीत अर्थात दो व्यक्तियों के बीच किसी भी विषय पर हुई बातचीत को संवाद कहते हैं। मां की ममता पर नात शरीफ अब्दुल करीम कक्षा –10 ने सुनाया,जिसकी सभी लोगों ने खूब प्रशंसा की। इसके बाद सभी छात्र–छात्राओं ने आज की गतिविधियों में उत्साह पूर्वक प्रतिभाग किया। अन्त में प्रधानाचार्य बच्छ राज ने सभी के लिए उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक प्रमोद कुमार सिंह, धीरेंद्र कुमार तिवारी उपस्थित रहे।

भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ द्वारा विचार संगोष्ठी व सम्मान समारोह का आयोजन

पत्रकारिता दिवस पर संगोष्ठी में वक्ताओं ने पत्रकारों की भूमिका पर रखे विचार

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पत्रकारिता दिवस के उपलक्ष्य में मंगलवार की शाम ओबरा में भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ के तत्वाधान में विचार संगोष्ठी व सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ माँ सरस्वती के फोटो चित्र पर माल्यार्पण पश्चात दीप प्रज्वलन के साथ किया गया।आयोजित संगोष्ठी में ब्याज के दौर में पत्रकारों की भूमिका और जिम्मेदारी- विषय पर गहन मंथन हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ पत्रकार राहुल श्रीवास्तव ने एवं संचालन पत्रकार संजय यादव ने किया।गोष्ठी में ओबरा नगर पंचायत अध्यक्ष चांदनी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। विशिष्ट अतिथियों में अधिशासी अधिकारी मधुसूदन जयसवाल, सीओ ओबरा हर्ष पाण्डेय,थाना प्रभारी राजेश कुमार सिंह, कस्बा चौकी प्रभारी विष्णु प्रभा सिंह, समाजसेवी देव प्रकाश मौर्या शामिल रहे।कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ पत्रकार नरेंद्र नीरव,सुनील तिवारी, मनोज चौबे, भोला दुबे और राजवंश चौबे ने बारी-बारी से अपने विचार रखे।वक्ताओं ने कहा कि आधुनिक पत्रकारिता ने जहाँ संवाद को तेज, सुलभ और वैश्विक बनाया है, वहीं इसके साथ कई खतरे और जिम्मेदारियाँ भी जुड़ गई हैं।नरेंद्र नीरव ने कहा कि डिजिटल युग में खबरों की गति तेज हुई है लेकिन सत्यता और विश्वसनीयता की कसौटी और कठोर हो गई है।सुनील तिवारी ने पत्रकारों की आर्थिक और सामाजिक असुरक्षा को लेकर चिंता जताई।मनोज चौबे ने कहा कि पत्रकारों को आज सिर्फ सवाल पूछने की नहीं, समाज को दिशा देने की भूमिका निभानी चाहिए।कार्यक्रम में आधुनिक पत्रकारिता के लाभ और हानि पर विशेष चर्चा हुई। वक्ताओं ने माना कि सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म ने जहां अभिव्यक्ति की आजादी को विस्तार दिया है, वहीं फेक न्यूज, पक्षपात और कॉर्पोरेट नियंत्रण से पत्रकारिता की साख को चुनौती भी मिली है।मुख्य अतिथि चांदनी ने कहा कि पत्रकार लोकतंत्र का चौथा स्तंभ हैं और उनकी स्वतंत्रता ही लोकतंत्र की मजबूती है। सीओ हर्ष पांडेय व ईओ मधुसूदन जायसवाल ने सकारात्मक पत्रकारिता को समाज-हित में आवश्यक बताया। कार्यक्रम के अंत में कार्यक्रम अध्यक्ष राहुल श्रीवास्तव ने निष्कर्ष रूप में कहा कि पत्रकारों को न केवल सूचना देना है, बल्कि उसकी प्रामाणिकता और प्रभाव पर भी जिम्मेदारी लेनी चाहिए। वरिष्ठ पत्रकार सतीश भाटिया,भोला दूबे,सुरेंद्र सिंह,आलोक गुप्ता व महासंघ के जिलाध्यक्ष महेश पाण्डेय ने कार्यक्रम को मूर्त रूप देते हुए कार्यक्रम में आए अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापन कर आभार प्रकट किया। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार पीडी राय, शमशाद आलम,राम प्यारे सिंह, मनमोहन शुक्ला,सौरभ गोस्वामी उत्तम सिंह,जीतेन्द्र गुप्ता,राकेश अग्रहरी,नीरज भाटिया,हरिओम विश्वकर्मा,अभिषेक पाण्डेय,प्रशांत सिंह,सतेंद्र सिंह,सैयद आरिफ,अमरदीप सिंह मनोज तिवारी,राज किशोर गुप्ता, अरविन्द कुशवाहा,पार्वती पाण्डेय,महेश अग्रहरी, किरन गोंड,मुस्ताक अहमद,अजीत कुमार सिंह,राजू चौधरी,मां शंकर पाण्डेय,जगदीश तिवारी,नीरज पाठक,संतोष साहनी विकास कुमार,सद्दाम कुरैशी साहित गोष्ठी में ओबरा,और चोपन के अनेक पत्रकार उपस्थित रहे।

एक दिवसीय अभियान एक पेड़ माँ के नाम के तहत बेलन नदी के तट पर वृक्षारोपण 5 को

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। मुख्य विकास अधिकारी, जागृति अवस्थी ने अवगत कराया है कि विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 05 जून, 2025 को विकास खण्ड चतरा के ग्राम पंचायत डोहरी में पर्यावरणीय स्थिरता के लिए एक दिवसीय अभियान एक पेड़ माँ के नाम के तहत बेलन नदी के तट पर वृक्षारोपण किया जाना है, जिसमें सम्बन्धित अधिकारी की उपस्थिति अनिवार्य है। सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि 05 जून 2025 को एक दिवसीय अभियान एक पेड़ माँ के नाम के सफल क्रियान्वयन हेतु प्रातः 10:00 बजे विकास खण्ड चतरा के ग्राम पंचायत डोहरी में अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करेंगे।

50 वर्षीय युवक का शव झाड़ियों में मिला हणकम्प

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। विंढमगंज सोनभद्र थाना क्षेत्र के अंतर्गत महुआरिया रेलवे स्टेशन के पश्चिम रेलवे लाइन से सटे वन तुलसी के झाड़ी में जगदीश बियार उम्र लगभग 50 वर्ष पुत्र स्वर्गीय राम प्रसाद निवासी महुली का शव स्थानीय राहगीर देखे तो इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंचे इंस्पेक्टर व क्षेत्राधिकार दुद्धी प्रदीप सिंह चंदेल ने शव का मौके पर पंचनामा करने के पश्चात अंत परीक्षण हेतु दुद्धि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा। प्राप्त जानकारी के अनुसार महुली रेलवे स्टेशन से पश्चिम मकसूद आलम के खेत में वन तुलसी के झाड़ी के बीच लगभग 11रु00 बजे राहगिरो ने शव पड़ा देखा, जिसकी सूचना स्थानीय थाने को दी गई मौके पर पहुंचे थाना प्रभारी निरीक्षक शेषनाथ पाल ने शव की हालत को देखकर इसकी जानकारी को सी ओ दुद्धी प्रदीप सिंह चंदेल को दी, मौके पर पहुंचे प्रदीप सिंह चंदेल ने मौके का स्थलीय निरीक्षण किया तथा कहा कि शव देखने से चार पाँच दिन पहले का मृत अवस्था में पड़ा हुआ लगता है मृतक के जेब में से मिला आधार कार्ड के अनुसार मृतक की पहचान जगदीश बीयर महुली के रूप में हुई है , मौत किन परिस्थितियों में हुई इसका खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद किया जाएगा। पुलिस ने शव अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए दुद्धी भेज दिया है।

पिंडरा अधिवक्ता संघ द्वारा कार्य बहिष्कार का पूर्ण समर्थन :राकेश शरण मिश्र

समस्या के शीघ्र समाधान हेतु संयुक्त अधिवक्ता महासंघ ने मुख्यमंत्री को भेजा पत्र

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पिंडरा तहसील में बैनामा के बाद खारिज दाखिल होने में लग रहे कई माह के समय को लेकर पिंडरा तहसील के अधिवक्ता द्वारा मंगलवार से किए जा रहे कार्य बहिष्कार का संयुक्त अधिवक्ता महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष राकेश शरण मिश्र ने पूर्ण समर्थन किया है। साथ ही उन्होंने समस्या के बाबत प्रदेश के मुख्यमंत्री माननीय योगी आदित्यनाथ जी को पत्र लिखकर आमजन की इस समस्या का तत्काल समाधान करने का अनुरोध किया है। संयुक्त अधिवक्ता महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में आरोप लगाया है कि पिंडरा तहसील में व्याप्त भ्रष्टाचार के कारण बैनामा से लेकर खारिज दाखिल तक अधिवक्ताओं और वादकारियों को अत्यधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जो काम बैनामा के बाद अधिकतम 45 दिनों में होना चाहिए उसे पूरा होने में 120 से 150 दिन लग जा रहे हैं जिसमें लेखपाल कानूनगो एवम संबंधित अधिकारियों की घोर लापरवाही है। श्री मिश्र ने मुख्यमंत्री से अपने पत्र में मांग की है कि आम जन के कार्य के प्रति घोर लापरवाही करने वाले जिम्मेदार पदों पर बैठे कर्मचारियों एवम अधिकारियों को तत्काल निलंबित करने का कष्ट करें एवम ईमानदार और कर्मठ कर्मचारियों और अधिकारियों की तैनाती करें जिससे अधिवक्ताओं और वादकारियों को राहत मिल सके।अन्यथा पिंडरा तहसील के अधिवक्ताओं का आंदोलन प्रदेश व्यापी आंदोलन बनने से रोकना मुश्किल होगा और जिसकी समस्त जिम्मेदारी प्रदेश सरकार की होगी।

मगुराही में किसान कल्याण केंद्र बन जाने से किसानों को हो रही विकट समस्या

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। रायटसगंज विकासखंड के अंतर्गत दर्जनों गांव ऐसे हैं जो किसान कल्याण केंद्र से 50 से 60 किलोमीटर की दूरी पर हो गए हैं जिससे किसानों को आने जाने व जाने के बाद सरवर प्रॉब्लम होने या नेट का इशू होने के कारण भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है बताते चलें कि पूर्व में किसान कल्याण केंद्र रायटसगंज विकासखंड परिसर में ही संचालित था जिसे पिछले वर्ष मगुराही में हस्तांतरित कर दिया गया जिससे किसानों को भारी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है किसान कल्याण केंद्र को विकासखंड के एक छोर पर स्थापित करने से अन्य छोर के किसानों को काफी समस्या का सामना करना पड़ रहा है जबकि पूर्व में विकास खंड में होने के कारण किसान कल्याण केंद्र हर गांव के किसानों के लिए सुविधाजनक था क्योंकि यह लगभग मध्य में स्थित था वहीं मीतापुर रेडीया कुरहुल आदि तमाम गांव जो किसान कल्याण केंद्र से 50 से 60 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है वहां के बुजुर्ग किसानों के लिए पहुंचना मिल का पत्थर साबित हो रहा है बुजुर्ग किसान वहां तक पहुंच नहीं पाते और पहुंचने के बाद अंगूठे का ना लगना सरवर का प्रॉब्लम होना आदी तमाम समस्याओं के कारण खाली हाथ ही किसानों को वापस लौटना पड़ रहा है जिससे सरकार की तमाम योजनाएं किसानों तक नहीं पहुंच पा रहे हैं कुरहुल रेडिया मीतापुर बभनारी चिरौंली सलखन आदि तमाम गांव के किसानों ने जिलाधिकारी से आग्रह किया है कि किसान कल्याण केंद्र को विकासखंड परिसर में ही संचालित कराया जाए जिससे विकासखंड के सभी किसानों को आसानी हो तथा सरकार द्वारा दी जा रही खाद बीज आदि तमाम योजनाओं का लाभ हम किसानों को मिलता रहे।

14जून को म्योरपुर में दुद्धी को जिला बनाओ संघर्ष समिति के कार्यकारिणी का गठन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। म्योरपुर विकास खंड परिसर में बुधवार को ब्लॉक प्रमुख म्योरपुर की अध्यक्षता में दुद्धी को जिला बनाओ विकास कराओ के आंदोलन की नई कार्यकारिणी के गठन को ले कर गहन मंत्रणा की गई,इस दौरान कार्यकारिणी के पुनर्गठन को अंतिम रूप दिए जाने के उद्देश्य से एक बड़ी सभा म्योरपुर में आयोजित किए जाने पर बल दिया गया, इस बैठक के द्वारा इसके प्रचार,प्रसार पर विशेष कार्य किए जाने,निमंत्रण देने,जागरूकता पैदा करने अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित किए जाने पर बल दिया गया, बैठक में निर्णय हुआ कि 14जुन को बिढ़ला विद्या मंदिर इंटर कालेज म्योरपुर परिसर में बैठक आहूत की गई है जिसमें नई कार्यकारिणी को अंतिम रूप दिया जाएगा,बैठक में प्रभु सिंह एडवोकेट अध्यक्ष सिविल बार एसोसिएशन दुद्धी,प्रधान संघ म्योरपुर के अध्यक्ष प्रेमचंद यादव,ममता मौर्य, बर्फी लाल, नंदकिशोर, हरि प्रसाद सलबंदी, अमर सिंह खरवार, सुधीर साहनी, संपत खरवार सहित सैकड़ो लोग शामिल रहे।

सोनभद्र की डॉ. शालिनी गुप्ता ने आईटीसी प्रतियोगिता में जनपद का नाम किया रोशन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। विकास खंड म्योरपुर का डा शालिनी गुप्ता ने नाम किया रोशन। बताया कि सर्वप्रथम जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण

संस्थान सोनभद्र में महिला वर्ग में आई०सी०टी० प्रतियोगिता जीतकर एससीईआरटी लखनऊ पर प्रतिभाग करने का अवसर प्राप्त हुआ। शालिनी ने कहा कि मेरे बाबा व माता रानी के आशीर्वाद से राज्य स्तरीय आईसिटी प्रतियोगिता में सफलता अर्जित की है। प्रतियोगिता एक लक्ष्य नहीं यात्रा है यह निखारती है, संवारती है और सजाती है अपने इन्हीं शब्दों से समस्त जनपदों के प्रतिभागियों का हौसला बढ़ाने वाले हमारे द्रोणाचार्य आईसिटी की पाठशाला के संस्थापक शेखर यादव सर ने छोटे से छोटे बिंदुओं पर गूगल मीट के माध्यम से इन सभी का मार्गदर्शन किया।जनपद सोनभद्र की तरफ से शेखर सर को दिल से आभार व्यक्त करती हू। प्रदेश स्तर पर इस उपलब्धि हेतु जनपद सोनभद्र के जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी मुकुल देव पाण्डेय खण्ड शिक्षा अधिकारी सुनील कुमार समस्त एआरपी म्योरपुर शिक्षक विद्यालय परिवार द्वारा बधाई एवं शुभकामना हेतु मैं सभी को दिल से आभार व्यक्त करती हु और एक नई ऊर्जा और उत्साह से अपने बच्चों के लिए पहले से भी अधिक बेहतर कार्य करने का संकल्प लेती हूँ। शालिनी के इस सोच व हौसले से पूरा म्योरपुर क्षेत्र गर्व महसूस कर रहा है।

पाक्सो एक्ट: दोषी ट्यूशन शिक्षक मोहम्मद आजाद उर्फ सोनू को 4 वर्ष की कठोर कैद

22 हजार रूपये अर्थदंड, न देने पर एक माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। करीब तीन वर्ष पूर्व नाबालिग छात्रा के साथ हुए छेड़खानी के मामले में अपर सत्र न्यायाधीश/ विशेष न्यायाधीश पाक्सो एक्ट अमित वीर सिंह की अदालत ने बुधवार को सुनवाई करते हुए दोषसिद्ध पाकर दोषी ट्यूशन शिक्षक मोहम्मद आजाद उर्फ सोनू को 4 वर्ष की कठोर कैद एवं 22 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड अदा न करने पर एक माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। जेल में बितायी अवधि सजा में समाहित की जाएगी। वहीं अर्थदंड की धनराशि में से 15 हजार रुपये पीड़िता को मिलेगी। अभियोजन पक्ष के मुताबिक विंढमगंज थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी पीड़िता की मां ने विंढमगंज थाने में 23 जून 2022 को दी तहरीर में आरोप लगाया था कि उसकी नाबालिग बेटी कक्षा 10 की छात्रा है। उसे ट्यूशन पढ़ाने घर पर शिक्षक मोहम्मद आजाद उर्फ सोनू पुत्र अनवारुलहक निवासी बैरखड़ थाना विंढमगंज, जिला सोनभद्र आता था। जिसे उसकी बेटी अपना गुरु मानती थी। 6 माह तक घर आकर शिक्षक आजाद बेटी को ट्यूशन पढ़ाया था जिसके चलते बेटी सम्मान करती थी, लेकिन गुरु जी ट्यूशन की आड़ में फायदा उठाकर सादे कागज पर बेटी का हस्ताक्षर बनवाकर रख लेना, छेड़छाड़ करना और शादी करने की फिराक में पड़ गए। बेटी की रिकॉर्डिंग और फोटो वीडियो बनाकर ब्लैक मेल कर रहे थे। बेटी लोक लाज की वजह से कुछ नहीं बता रही थी। जब ट्यूशन पढ़ना बंद हो गया तो बेटी जब भी बाहर जाती तो उसके साथ जबरन छेड़छाड़ और गलत करने की फिराक में रहता था। 16 जून 2022 को ट्यूशन शिक्षक ने अपनी भाभी को मोबाइल देकर घर भेजा और बहलाकर फुसलाकर उसकी भाभी ने वीडियो कॉल बात कराई तो शिक्षक आजाद ने गंदी गंदी बात करने लगा।जब बेटी ने विरोध जताया तो कहा कि एक सप्ताह के भीतर शादी करूँगा। अन्यथा बेटी को गोली मारकर हत्या करने व पूरे परिवार को बर्बाद करने की धमकी दिया। जब बेटी भयभीत हो गई तो बेटी ने सारी बात बताई। इस तहरीर पर छेड़खानी, जान मारने की धमकी व पाक्सो एक्ट में एफआईआर दर्ज कर पुलिस ने मामले की विवेचना शुरू कर दिया और पर्याप्त सबूत मिलने पर कोर्ट में ट्यूशन शिक्षक मोहम्मद आजाद उर्फ सोनू के विरुद्ध चार्जशीट विवेचक ने दाखिल किया था। मामले की सुनवाई करते हुए अदालत ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्कों को सुनने, गवाहों के बयान एवं पत्रावली का अवलोकन करने पर दोषसिद्ध पाकर दोषी ट्यूशन शिक्षक मोहम्मद आजाद उर्फ सोनू को 4 वर्ष की कठोर कैद एवं 22 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर एक माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। वहीं अर्थदंड की धनराशि में से 15 हजार रुपये पीड़िता को मिलेगी। अभियोजन पक्ष की ओर से सरकारी वकील दिनेश कुमार अग्रहरि, सत्यप्रकाश त्रिपाठी और नीरज कुमार सिंह ने बहस की।

सात व्यक्तियों को गिरफ्तार कर किया चालान

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। प्रभारी निरीक्षक ओबरा राजेश कुमार सिंह के नेतृत्व में ओबरा पुलिस ने बुधवार को भिन्न भिन्न मामलों में सात व्यक्तियों को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया। गिरफ्तार अभियुक्त 22 वर्षीय कुर्बान अली पुत्र फारूक रसी, 19 वर्षीय सलमान अली पुत्र सकील अहमद 20 वर्षीय इमरान अली पुत्र इकरार अली तथा 19 वर्षीय आफताब अली पुत्र असरत अली सभी निवासी चुड़ी गली थाना ओबरा तथा 40 वर्षीय गुड्डू यादव पुत्र रामकुमार यादव 24वर्षीय कलक्टर यादव पुत्र राम कुमार यादव तथा 18 वर्षीय रविन्द्र यादव पुत्र संतोष यादव सभी निवासी ग्राम पनारी टोला गुड्डुर थाना ओबरा, जनपद सोनभद्र को गिरतार कर न्यायालय भेज दिया।

गर्मी की छुट्टियों में बच्चों के लिए समर कैंप प्रेरणादायक: शैलेश कुमार

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जनपद के विकास खण्ड चतरा के कंपोजिट विद्यालय ऐलाई में संचालित समर कैंप बच्चों के लिए रचनात्मकता, आत्म-अभिव्यक्ति और कौशल विकास का मंच बन गया है। गर्मी की छुट्टियों में विद्यालय ने शिक्षा को उत्सव का रूप देते हुए बच्चों को आनंदमयी और सीखने से भरपूर वातावरण प्रदान किया है। चित्रकला, कहानी लेखन, योग, विज्ञान गतिविधियाँ, कमाल की निर्देशिका के अन्तर्गत गणितीय खेल, शाब्दिक सवाल, कहानी ट्रेन, लोकगीत, नाट्य प्रस्तुति, पर्यावरण विषयक जागरूकता एवं जीवन कौशल पर आधारित कार्यक्रमों में बच्चो ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। समर कैंप संचालित कर रही शिक्षामित्र अनीता सिंह व अशोक कुमार मिश्रा ने बच्चों को आयु और रुचियों के अनुसार हर गतिविधि की योजना बनाई, जिससे प्रत्येक छात्र को प्रत्येक गतिविधि में अवसर मिला। अभिभावको ने भी विद्यालय की इस पहल की प्रशंसा करते हुए कहा कि बच्चे मोबाइल से दूर होकर रचनात्मकता की ओर बढ़ रहे हैं। जिला समन्वयक प्रथम संस्था शैलेश कुमार ने उच्च प्राथमिक विद्यालय ऐलाई में संचालित समर कैंप की गतिविधियों का अवलोकन करते हुए बच्चों से संवाद किया और उनकी प्रस्तुतियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह कैंप बच्चों में आत्मविश्वास सहभागिता और नवाचार की भावना को बढ़ावा दे रहा है। प्रथम संस्था से सुरेश गुप्ता ने इसे शिक्षा के क्षेत्र में एक प्रेरणादायक नवाचार बताते हुए शिक्षकों के प्रयासों की भूरी-भूरी प्रशंसा की। विद्यालय के प्रधानाध्यापक जय प्रकाश ने बताया कि यह शिविर शिक्षा विभाग के दिशानिर्देशों के क्रम में संचालित किया जा रहा है जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों को पुस्तकीय शिक्षा से आगे सोचने, समझने और अभिव्यक्त करने के अवसर प्रदान करना है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक- श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स, ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट-हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद-सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक- राजेश कुमार शर्मा
आर.एन.आई. नं.-UPHIN/2012/49458 9415163471, 9453824459 दैनिक बुद्ध का संदेश 9795951917,9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद जनपद-सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

एक स्कार्फ को 5 अलग–अलग तरीकों से पहनने से मिल सकता है नया लुक, जानिए कैसे

स्कार्फ एक ऐसी फैशन एक्सेसरीज है, जो हर महिला की अलमारी में होती है। यह न केवल मुंह को ढकने के काम आता है, बल्कि इसे पहनने के कई तरीके लुक को स्टाइलिश भी बनाते हैं।

इस लेख में हम आपको एक ही स्कार्फ को अलग–अलग तरीकों से पहनने के बारे में बताएंगे। ये तरीके न केवल आसान हैं, बल्कि आपके लुक को भी खास बना देंगे। इन तरीकों को अपनाकर आप हर बार नया लुक पा सकती हैं।

गर्दन के चारों ओर बांधें गर्दन के चारों ओर बांधना सबसे सरल और आम तरीका है। इसके लिए आप अपने पसंदीदा स्कार्फ को अपनी गर्दन के चारों ओर लपेट सकती हैं। यह तरीका ऑफिस या किसी खास मौके पर जाने के लिए बहुत अच्छा रहता है। इसे बांधते समय ध्यान रखें कि स्कार्फ का एक सिरा थोड़ा लंबा रखें ताकि आप उसे बाद में पिन या क्लिप से सुरक्षित कर सकें। इससे आपका लुक और भी आकर्षक लगेगा।

सिर पर बांधें अगर आप अपने बालों को स्टाइलिश दिखाना चाहती हैं तो स्कार्फ को अपने सिर पर बांध सकती हैं।

इसके लिए सबसे पहले स्कार्फ को लंबाई में मोड़ें, फिर इसे अपने सिर पर बांधें। आप चाहें तो इसे चोटी या पोनीटेल के ऊपर बांध सकती हैं। यह तरीका आपके बालों को अलग और खास लुक देगा। इसके अलावा यह आपके सिर को धूप से बचाने का भी काम करेगा, जिससे आप आरामदायक महसूस करेंगी।

कमर पर बांधें कमर पर बांधा हुआ स्कार्फ आपके लुक को एक नया अंदाज देता है। इसके लिए सबसे पहले स्कार्फ को लंबाई में मोड़ें, फिर इसे अपनी कमर के चारों ओर लपेटें और नॉट बनाएं।

यह तरीका खासतौर पर तब अच्छा लगता है जब आप फ्लोई टॉप या कुर्ते के साथ पहनती हैं। इससे आपकी कमर और भी खूबसूरत लगेगी और आपका पूरा लुक खास बन जाएगा।

इसके अलावा यह आपके पहनावे को एक नया आयाम देता है।

बैग के हैंडल पर बांधें अगर आप अपने बैग को अलग अंदाज में कैरी करना चाहती हैं तो स्कार्फ का इस्तेमाल कर सकती हैं। इसके लिए सबसे पहले स्कार्फ को लंबाई में मोड़ें, फिर इसे अपने बैग के हैंडल्स पर बांधें। इससे आपका बैग और भी आकर्षक लगेगा और लोग आपकी इस क्रिएटिविटी की तारीफ करेंगे। यह तरीका आपके बैग को एक नया लुक देगा और इसे और भी खास बनाएगा, जिससे आपका पूरा लुक और भी खूबसूरत लगेगा।

फ्रेंच नॉट बनाएं फ्रेंच नॉट बनाना थोड़ा मुश्किल लग सकता है, लेकिन एक बार सीख जाने पर यह आसान हो जाता है। इसके लिए सबसे पहले स्कार्फ को लंबाई में मोड़ें, फिर इसे अपनी गर्दन पर लपेटें और नॉट बनाएं। यह तरीका खासतौर पर तब अच्छा लगता है जब आप किसी पार्टी या खास मौके पर जा रही हों।

इन सभी तरीकों को अपनाकर आप अपने एक ही स्कार्फ से कई अलग–अलग लुक पा सकती हैं।

अहान पांडे और अनीत पड्डा की सैयारा का मुख्य गाना जारी, दिखी रोमांस और हार्टब्रेक की कहानी

टीजर रिलीज के बाद से ही यशराज फिल्म्स द्वारा निर्मित और मोहित सूरी द्वारा निर्देशित ‘सैयारा’ 2025 की सबसे बहुप्रतीक्षित रोमांटिक फिल्म बन गई है। यशराज और मोहितकृदोनों, जो कालजयी प्रेम कहानियाँ बनाने के लिए जाने जाते हैं की यह साझेदारी एक बार फिर चर्चा में है। इस फिल्म में दो नए चेहरों की केमिस्ट्री दर्शकों को बेहद पसंद आ रही है।

आज वाईआरएफ ने फिल्म का टाइटल ट्रैक ‘सैयारा’ रिलीज किया और मोहित सूरी ने खुलासा किया कि इस एलबम में वे गीत, विचार और धुनें हैं जिन्हें उन्होंने पिछले 5 वर्षों से बड़ी ही सावधानी से संजोया और तैयार किया है। मोहित कहते हैं, मेरे बारे में कुछ ही करीबी दोस्तों को यह बात पता है कि मुझे नए कंपोजर्स, गायकों से मिलना और उनकी धुनों को इकट्ठा करना बहुत पसंद है जैसे कुछ लोग किताबें इकट्ठा करते हैं। ‘सैयारा’ का एलबम मेरे उन्हीं वर्षों की मेहनत और संग्रह का परिणाम है। मोहित कहते हैं कि वह दर्शकों को एक बेहद फ्रेश और आत्मा को छूने वाला एल्बम देना चाहते थे।

वह जोड़ते हैं, मैं चाहता था कि यह एक डेब्यू फिल्म के लिए बेहद ताजगी से भरा रोमांटिक एल्बम हो। यह एल्बम मेरे दिल के बहुत करीब है। हर एक गीत मेरे लिए बेहद खास है। हम अपने मार्केटिंग अभियान की शुरुआत ‘सैयारा’ के टाइटल ट्रैक से कर रहे हैं। इस गीत में इतना प्यार, तड़प और भावना है कि मैं इसे पहली बार सुनते ही पसंद करने लगा था।

‘सैयारा’ टाइटल ट्रैक के साथ दो प्रतिभाशाली कश्मीरी कलाकारों की भी बॉलीवुड में एंट्री हो रही है। मोहित बताते हैं, इस ट्रैक के माध्यम से हम फहीम अब्दुल्ला और अर्सलान निजामी को लॉन्च कर रहे हैंकृदो बेहद टैलेंटेड कंपोजर और सिंगर। इस ट्रैक को म्यूजिक के जीनियस तनिष्क बागची ने कम्पोज किया है, जिनका मैं आभार व्यक्त करता हूं कि उन्होंने मुझे फहीम और अर्सलान से मिलवाया। इसके खूबसूरत बोल उस्ताद इरशाद कामिल ने लिखे हैं।

वे आगे कहते हैं, हमारे पास ऐसे कलाकारों की टीम है जिन्होंने ‘सैयारा’ के पहले गाने पर जबरदस्त मेहनत की है। उम्मीद करता हूं कि हम दर्शकों को ऐसा रोमांटिक गीत दे रहे हैं जो लंबे समय तक उनके दिलों में बसा रहेगा।

‘सैयारा’ फिल्म के जरिए अहान पांडे हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में बतौर हीरो डेब्यू कर रहे हैं। फिल्म में फीमेल लीड के तौर पर अनीत पड्डा नजर आएंगी, जिन्होंने ‘बिग गर्ल्स डोंट क्राय’ सीरीज में अपनी अदाकारी से सबका दिल जीता था। इस फिल्म का निर्माण कंपनी के सीईओ अक्षय विधानी ने किया है और यह 18 जुलाई 2025 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

कृष्णा श्रॉफ का रेड कार्पेट पर जलवा: रूबी सिरेनेड कॉर्सेट ड्रेस में बिखेरा जादू

कृष्णा श्रॉफ ने हाल ही में एक पुरस्कार समारोह में अपनी शानदार उपस्थिति से सभी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। उन्होंने एक रूबी सिरेनेड कॉर्सेट ड्रेस पहनी थी, जो ग्लैमर और

एलिगेंस का बेहतरीन संगम थी। इस ड्रेस का स्ट्रक्चर्ड सिल्हूट न केवल स्टाइलिश था, बल्कि बेहद आरामदायक भी था, जिससे कृष्णा की पूरी मौजूदगी बेहद आकर्षक और प्रभावशाली लगी। उन्होंने अपने लुक को एक स्लीक हाई ब्रेड (ऊँची गूथी चोटी) के साथ सिंपल लेकिन एलिगेंट रखा। उनके हीरे और रूबी जड़े हुए झुमके और हार ने पूरे लुक में नफासत और चमक का सही स्पर्श जोड़ा। उनके पहनावे का गहरा, उग्र लाल रंग उनके आत्मविश्वास और सहजता को बखूबी उभार रहा था। मेकअप की बात करें तो, कृष्णा ने नम और ग्लोइंग स्किन के साथ सॉफ्ट ग्लैम लुक अपनाया, जिसमें आंखों पर खास फोकस था। विंग्ड आईलाइनर और हल्के शिमर ने उनके आउटफिट के लाल रंग को और भी ज्यादा निखार दिया।

कुल मिलाकर कहा जाए तो, कृष्णा ने सिर से पाँव तक यह लुक पूरी तरह से कैरी किया। यह सिर्फ एक फैशन स्टेटमेंट नहीं था, बल्कि यह दर्शाता है कि सोच–समझकर चुना गया ग्लैमर भी बेहद प्रभावशाली हो सकता है। इस लुक के साथ, कृष्णा श्रॉफ ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि वे आधुनिक और सजग फैशन की नई मिसाल बन चुकी हैं।

मालिक का पहला मोशन पोस्टर जारी, गैंगस्टर बन धमाल मचाएंगे राजकुमार राव

राजकुमार राव इन दिनों फिल्म भूल चूक माफ की सफलता का आनंद उठा रहे हैं। करण शर्मा के निर्देशन में बनी उनकी यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है।

अब राजकुमार जल्द ही फिल्म मालिक के जरिए दर्शकों का मनोरंजन करते हुए नजर आएंगे, जिसके निर्देशन की कमान पुलकित ने संभाली है।

मालिक का पहला मोशन पोस्टर सामने आ गया है, जिसमें राजकुमार का खूंखार अवतार दिख रहा है। वह खून से लथपथ दिख रहे हैं।

राजकुमार गैंगस्टर बन बड़े पर्दे पर धमाल मचाने के लिए तैयार हैं।

मालिक को 11 जुलाई, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा, वहीं फिल्म का टीजर 3 मई को दोपहर 2 बजे दर्शकों के बीच आएगा। यह एक गैंगस्टर ड्रामा फिल्म होगी, जिसमें राजकुमार एक खूंखार गैंगस्टर की भूमिका में दिखने वाले हैं। फिल्म में उनका अनदेखा अवतार देखने को मिलेगा।

फिल्म का निर्माण कुमार तौरानी ने टिप्स फिल्म्स के बैनर तले किया जा रहा है।

कमल हासन की ठग लाइफ का तीसरा गाना ओ मारा हुआ रिलीज

यूनिवर्सल हीरो कमल हासन की गैंगस्टर एक्शन ड्रामा फिल्म ठग लाइफ का प्रमोशन जोरों पर है, जिसका निर्देशन मणिरत्नम कर रहे हैं। ट्रेलर को जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली, जबकि पहले

दो गाने म्यूजिक चार्ट में सबसे ऊपर रहे। आज, निर्माताओं ने तीसरे सिंगल– ओ मारा का लिरिकल वीडियो जारी किया। वॉल्यूम बढ़ाएँ। एआर रहमान की रचना आपका एड्रेनालाईन से भरपूर सवारी प्रदान करती है जिसे आप कभी नहीं भूलेंगे। जो मधुर शुरू होता है वह जल्दी ही एक संक्रामक बीट में बदल जाता है जो आपको पूरी तरह से बांध लेता है। प्रत्येक छंद के साथ, ऊर्जा बढ़ती जाती है, जो फिल्म में एक गैंगस्टर के रूप में सिम्बु के साहसी और लापरवाह चरित्र को पूरी तरह से दर्शाती है। आदित्य आरके ने सभी उच्च स्वरों को तीव्रता से बजाया, लेकिन राकेन्दु मौली ने अपने उग्र रैप छंद के साथ गर्मी को और बढ़ा दिया, जो कच्चे रवैये को जोड़ता है। उनकी गायन की ताल–मेल विस्फोटक है। गीतकार अनंथा श्रीराम ने ट्रेंडी, प्रभावशाली गीत पेश किए हैं जो ठग लाइफ की दुनिया की तरह ताजा और विद्रोही लगते हैं। राज कमल फिल्म्स इंटरनेशनल, मद्रास टॉकीज और रेड जायंट मूवीज द्वारा निर्मित, ठग लाइफ 5 जून को सिनेमाघरों में आएगी। यह फिल्म श्रेष्ठ मूवीज के एन सुधाकर रेड्डी के माध्यम से तेलुगु राज्यों में रिलीज की जाएगी।